इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रात: संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 43 अंक -187 राजनांदगांव, शनिवार 25 मई 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

आज 58 सीटों पर मतदान... खट्टर, महबूबा, मेनका, राज बब्बर समेत इन दिग्गजों की किस्मत ईव्हीएम में होगी कैद

नई दिल्ली। दो महीने से ज्यादा समय से चल रहा लोकसभा चुनाव अब अपने समापन की ओर है। सात चरणों के इस चुनाव में शनिवार यानी 25 मई को छठे चरण के लिए मतदान होगा। जिसमें दिल्ली, हरियाणा सहित आठ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 58 सीटें शामिल है। वहीं इस चरण में 11.13 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 5.84 करोड़ पुरुष, 5.29 करोड़ महिला और 5120 थर्ड जेंडर शामिल है। इस चरण में जिन अन्य राज्यों में चुनाव में है, उनमें उत्तर प्रदेश की 14,बिहार की आठ, झारंखड की चार,ओडिशा की छह, पश्चिम बंगाल की आठ और जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट भी शामिल है।

सिंह, मेनका गांधी, राज बब्बर, मनोज तिवारी जैसे प्रमुख चेहरे शामिल हैं।

दिग्गजों के भाग्य का फैसला

इसके साथ ही ओडिशा की विधानसभा सीटों के लिए भी इस चरण में मतदान होंगे। इस चरण में जिन दिग्गज की किस्मत का फैसला होगा, उनमें हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान,राव इंद्रजीत

गर्मी का विशेष ध्यान

खासकर गर्मी को ध्यान में रखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर छांव और पीने के पानी का विशेष इंतजाम रखने के निर्देश दिए गए है। मतदाताओं की सुविधा के लिए इन सभी सीटों पर करीब 1.14 लाख मतदान केंद्र बनाए गए है, जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। छठे चरण के इस चुनाव में 889 प्रत्याशी मैदान में है। शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं में मतदान के प्रति गहरी उदासीनता को देखते निर्वाचन आयोग ने दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद के मतदाताओं से मतदान को लेकर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

2019 में भाजपा के खाते में 40 सीटें

छठे चरण में शामिल इन 58 सीटों में से भाजपा व सहयोगी दलों ने 2019 में 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में यह चुनाव भाजपा और उनके सहयोगी दलों के साथ विपक्ष दलों यानी आईएनडीआईए के लिए भी काफी अहम है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक छठे चरण के चुनाव के लिए 58 सीटों पर विशेष इंतजाम किए गए है।

पांच चरण के चुनाव संपन्न

गौरतलब है कि सात चरणों के लोकसभा चुनाव में अब तक पांच चरणों का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो चुका है। जिसमें 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 428 सीटों के प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। इसके नतीजे अब चार जून को घोषित होंगे।

भूपेश सरकार के समय बने जाति प्रमाणपत्र की जांच कराएगी सरकार

रायपुर। भूपेश बघेल सरकार के दौरान बने जाति प्रमाण पत्र की सरकार जांच कराएगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जाति प्रमाणपत्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री से निर्देश लेकर इन जाति प्रमाण पत्रों की जांच करवाई जाएगी। शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र नहीं बन रहे। इसका जवाब देते हुए डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि कई फर्जी जाति प्रमाण पत्र बने हैं जिनकी जांच करवाई जाएगी।

मीडिया से चर्चा के दौरान विजय शर्मा ने कहा कि पिछले चार-पांच सालों में ओबीसी वर्ग के बहुत से जाति प्रमाण बने हैं। आदिवासी और अनुसूचित जाति वर्ग का तो पता नहीं लेकिन पिछड़ा वर्ग को मैंने देखा है। हिंदुओं में तो जाति प्रथा थोप दी गई है। जातियों के आधार पर आरक्षण दिया गया जिसका स्वागत है, मगर वह धर्म जिसमें जाति व्यवस्था ही नहीं है उनमें कैसे एसटी-एससी ओबीसी के जाति प्रमाण पत्र बन जाएंगे। ऐसा होने पर इन वर्गों के अधिकारों का तो हनन होगा ना। डिप्टी सीएम ने कहा कि अब मेरे पास प्रमाण है जिसमें बहुत ही स्पष्टता के साथ यह है कि बीते 4-5 सालों में ओबीसी के सर्टिफिकेट बनाए गए हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए आगे कहा कि ऐसे प्रमाण पत्र बनने से ओबीसी वर्ग के लोगों के अधिकार का हनन हुआ है। ओबीसी वर्ग के लोगों को समान अवसर देने के लिए आरक्षण के तहत अधिकार दिए जाते हैं। अब उन सबके बीच आप दूसरों को ले आओगे तो उनके मौके कम होंगे। मुझे लगता है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसे सर्टिफिकेट बनाए गए हैं।

इससे पहले भी फर्जी जाति प्रमाणपत्र से नौकरी हासिल करने और आरक्षण का फायदा उठाने के मामले सामने आ चुके हैं। साल 2023 में भी ये मामला चर्चा में आया तो सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आज आ रहा है चक्रवाती तूफान रेमल, 102 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा, आईएमडी ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी में यह मॉनसून से पहले इस सीजन का पहला चक्रवात है। रविवार शाम तक बांग्लादेश और इससे सटे पश्चिम बंगाल के तटों से भीषण चक्रवाती तूफान टकराएगा। इसका नाम रेमल रखा गया है। हिंद महासागर क्षेत्र में चक्रवात के नामकरण प्रथा के अनुसार इस तूफान का नाम रेमल रखा है। आईएमडी के मुताबिक रविवार को चक्रवात के कारण 102 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

आईएमडी ने दी चेतावनी

मौसम कार्यालय ने 26-27 मई को पश्चिम बंगाल, उत्तरी ओडिशा, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण मणिपुर के तटीय जिलों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी दी है। समुद्र में मछली पकड़ने गए मछुआरों को तट पर लौटने तथा 27 मई तक बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी। साथ ही वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्र की सतह के गर्म तापमान के कारण चक्रवाती तूफान तेजी से अपनी गति बढ़ा रहे हैं और लंबे समय तक अपनी शक्ति बरकरार रख रहे हैं।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी और अरब सागर इस समय बहुत गर्म हैं, इसलिए उष्णकटिबंधीय चक्रवात आसानी से बन सकता हैं। उष्णकटिबंधीय चक्रवात न केवल समुद्र द्वारा नियंत्रित होते हैं, बल्कि इसमें वायुमंडल भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' (शेष पृष्ठ 6 पर...)

18 जून से खुलेंगे स्कूल, नई शिक्षा नीति के तहत होगा सिलेबस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल शाला प्रवेश उत्सव भव्य तरीके से मनाया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग 18 जून को सरकारी स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाने का आदेश जारी किया है। प्रवेश उत्सव को एक समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, शाला विकास समिति, पालक और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। सभी को न्योता भोज दिया जाएगा।

नन्हें नवप्रवेशी बच्चों को स्कूलों में तिलक लगातार स्वागत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारियों को प्रवेश उत्सव के दौरान ही स्कूलों में निशुल्क पाठ्य पुस्तक, गणवेश और पात्र हितग्राहियों को साइकिल वितरण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

प्रवेश उत्सव के दिन बोर्ड परीक्षा और अन्य कक्षाओं की परीक्षा में मेधावी अंक प्राप्त करने वाले बच्चों और उत्कृष्ट पालकों को शाला परिवार की ओर से सम्मानित किया जाएगा। प्रवेश उत्सव को शाला, संकुल ब्लॉक, जिला सभी स्तर पर मनाया जाएगा। शाला त्यागी बच्चों को भी पुनः शाला की मुख्य धारा में जोड़ने का आदेश दिया गया है।

प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में साफ-सफाई और मरम्मत का काम शाला प्रवेश उत्सव से पहले 10 जून तक पूरा करने का आदेश दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्र-छात्राओं को गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। स्कूल परिसर को आकर्षक पेंटिंग के साथ रंग-रोगन कराया जाएगा।

गांव, वार्डो व शहरों में मुनादी कराई जाए

शाला प्रवेश उत्सव का गांव, कस्बों और शहरों में व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आदेश दिया गया है। बैनर पोस्टर लगाने के साथ गांव, कस्बों और शहरों में प्रवेश उत्सव की जानकारी के लिए मुनादी कराई जाएगी। इसके अलावा विद्यार्थियों की पंजी पहले से ही संधारित करने को कहा गया है। आंगनबाड़ी केंद्र से बच्चों की सूची हासिलकर पहली कक्षा में उनका प्रवेश सुनिश्चित करने को कहा गया है। (वहीं, 5वीं में उत्तीर्ण होने वाले बच्चों की सूची और टीसी प्रधान पाठक प्राथमिक शाला से प्राप्त कर 6वीं में बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करने को कहा गया है।

निरीक्षण के लिए नोडल नियुक्त होंगे

प्रदेशभर में शाला प्रवेश उत्सव को भलीभांति संपन्न कराने के लिए जिला, ब्लॉक और संकुल स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्त की जाएगा, जो सतत निरीक्षण कर जिला शिक्षा अधिकारियों को रिपोर्ट सौंपेंगे। संयुक्त संचालक, डीईओ, जिला मिशन समन्वयक, प्राचार्य डाइट को भी लगातार स्कूलों का निरीक्षण करने के लिए कहा गया है।

अध्यापन के लिए तीन महीने का रोडमैप

प्रदेशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू है। गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित कराने के लिए सभी स्कूलों के शिक्षकों को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

शव को किया बोटी-बोटी, मांस में मिलाया हल्दी और नमक; बांग्लादेशी सांसद की हत्या करने वाला कसाई

कोलकाता। बंगाल सीआईडी ने पिछले दिनों कोलकाता के एक फ्लैट में बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हुई हत्या के मामले में राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव से एक कसाई जेहाद हवलादार को गिरफ्तार किया है, जिसने सांसद के शव को बोटी-बोटी कर प्लास्टिक की थैलियों में भरा था। बांग्लादेश के खुलना का रहने वाला जेहाद ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और अपनी पहचान छिपाकर मुंबई में रह रहा था।

कहां से हुए थे गायब?

मालूम हो कि बांग्लादेश के सांसद इलाज के लिए 12 मई को कोलकाता पहुंचे थे। उसके कुछ दिनों बाद वह लापता हो गए थे। उत्तर कोलकाता के बरानगर के निवासी और बांग्लादेशी राजनेता के परिचित गोपाल बिश्वास ने 18 मई को स्थानीय पुलिस में उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

सोने की तस्करी से जुड़ा है मामला

पुलिस सूत्रों ने कहा कि सांसद के दोस्त बांग्लादेशी मूल के अमेरिकी नागरिक अख्तरुज्जमां शाहीन ने हवलादार को दो महीने पहले कोलकाता लाया था। अख्तरुज्जमां संभवतया इस समय अमेरिका में है, जो इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। पता चला कि सोने की तस्करी के धंधे को लेकर सांसद के साथ उसकी अनबन हो गई थी। इसका बदला लेने के लिए उसने सांसद की हत्या की साजिश रची और इसे अंजाम देने के लिए उसने आरोपितों को लगभग पांच करोड़ करोड़ रुपये का भुगतान किया था।

सांसद के शरीर की खाल उतारकर सारा मांस निकाल दिया

पूछताछ के दौरान जेहाद हवलादार ने पुलिस को बताया कि अख्तरुज्जमां के आदेश पर उसने और चार अन्य बांग्लादेशी नागरिकों ने फ्लैट में अनवारुल अजीम की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद पूरे शरीर की खाल उतारकर सारा मांस निकाल दिया और उसे बोटी-बोटी कर प्लास्टिक की थैलियों में भरा।

मांस में मिलाया हल्दी और नमक

मांस में हल्दी व नमक मिलाया ताकि यह जल्दी गल जाए। हड्डियों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा और उन्हें भी प्लास्टिक की थैलियों में भर दिया। इसके बाद आरोपितों ने कोलकाता क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर उन पैकेटों को ठिकाने लगाने के लिए परिवहन के विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया।

आरोपितों की कोर्ट में पेशी

जेहाद हवलादार को शुक्रवार को बारासात अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 12 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बंगाल सीआईडी की टीम इस दिन जेहाद को दक्षिण 24 परगना के भांगड़ के कृष्णामती गांव ले गई, जहां शरीर के कटे हुए हिस्सों को प्लास्टिक की थैलियों में डालकर अलग-अलग जगहों पर फेंका गया था। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कोल घोटाले में ईओडब्ल्यू ने सौम्या चौरसिया और रानू साहू के भाईयों को हिरासत में लिया

गरियाबंद। कोयला घोटाले में आरोपित निलंबित आईएएस रानू साहू के भाई पीयूष साहू ईओडब्ल्यू की टीम ने पंडुका से हिरासत में ले लिया है। उसे आफिस लाकर पूछताछ की जा रही है। रिमांड में रानू से पूछताछ के बाद शुक्रवार को टीम पीयूष को पकड़ने गई थी, जिन्हें देख वह भागने लगा। जिसके बाद टीम ने दौड़कर उसे दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक निलंबित आइएएस रानू साहू के भाई पीयूष के नाम पर जमीन खरीदी थी। सौम्या चौरसिया के भाई अनुराग चौरसिया को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक निलंबित आईएएस रानू साहू के भाई पीयूष साहू को ईओडब्ल्यू ने रेकी के बाद पांडुका स्थित घर से लिया हिरासत में लिया है। पिछले 4 दिनो ईओडब्ल्यू की टीम पियूष साहू के घर नजर रख रही थी। आज जैसे ही पीयूष अपने घर पहुंचा ईओडब्ल्यू की टीम ने घर को घेर लिया।

शाम करीब 5.30 बजे ईओडब्ल्यू की टीम ने को देख पीयूष घर के पीछे की दीवार फांदकर खेत की ओर भाग गया। आधा घंटे तक खेत और तालाब में हुई भागम भाग के बाद पीयूष को टीम ने दबोच लिया और अपने साथ रायपुर लेकर रवाना हो गई। पांडुका स्थित बस स्टैंड में ही पीयूष साहू की सोने-चांदी और हार्डवेयर की दुकान है।

कोर्ट ने कल ही रानू साहू को भेजा है रिमांड पर

छत्तीसगढ़ के चर्चित कोयला घोटाले मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू और सौम्या चौरसिया को कल ही (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मोदी ने भी शराब घोटाले को फ़र्ज़ी माना : केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कबूल कर ही लिया कि तथाकथित शराब घोटाला पूरी तरह से फर्जी है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के पास का कोई सबूत नहीं है।

श्री केजरीवाल ने यहां आज कहा, कल श्री मोदी से एक साक्षात्कार में पूछा गया कि केजरीवाल कह रहे हैं कि इस तथाकथित शराब घोटाले में कोई सबूत या पैसा नहीं मिला है। इसपर प्रधानमंत्री ने कहा कि सबूत इसलिए नहीं मिला क्योंकि केजरीवाल अनुभवी चोर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, श्री मोदी ने ये कबूल किया कि शराब घोटाले में उनके पास कोई सबूत नहीं है। किसी तरह का कोई एक नया पैसा भी रिकवर नहीं हुआ है। उसे छिपाने के लिए वह कहते हैं कि केजरीवाल अनुभवी चोर है। इसका मतलब आपकी सारी सीबीआई और उसके अफसर निकम्मे हैं। आपके ईडी के अधिकारी निकम्मे हैं।

उन्होंने कहा, पिछले दो साल से शोर मचा रखा है कि दिल्ली में शराब घोटाला हो गया। पूरे देश में 500 से ज्यादा छापे मारे गये। एक बड़ा प्रश्न यह उठाता है कि अगर 100 करोड़ या 1100 करोड़ रुपए का घोटाला है तो वह पैसा कहीं पर तो रखे होंगे लेकिन कहीं से कुछ नहीं मिला है।'

अन्ना रेड्डी पैनल से आईपीएल संचालित करते पांच सटोरिए दिल्ली से गिरफ्तार

रायपुर। अन्ना रेड्डी पैनल से आइपीएल सट्टा संचालित करते पांच अंतरराज्यीय सटोरियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। इसमें दो आरोपित नेपाल के हैं। वहीं तीन अन्य मप्र, उप्र और छत्तीसगढ़ के हैं। सटोरिए दिल्ली में बैठकर अन्ना रेड्डी आर-555 आईडी पैनल से आईपीएल क्रिकेट मैच का संचालन कर रहे थे। सटोरिए दिल्ली में फ्लैट किराये से लेकर कर रखा था।

लाखों के सामान जब्त

सटोरियों के कब्जे से कब्जे चार लैपटाप, 15 मोबाइल फोन, चार चेकबुक, छह पासबुक, 22 एटीएम कार्ड, कैल्कुलेटर और वाईफाई राउटर जब्त किया गया है। चार लाख का सामान जब्त किया गया है। एक आरोपित पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ के आधार पर दिल्ली में रेड कार्रवाई की। जब्त लैपटाप और फोन में करोड़ों रुपये के लेन-देन की जानकारी पुलिस के हाथ लगी है। प्राप्त बैंक खातों के राशियों को होल्ड/फ्रीज कराने के लिए बैंकों को पत्र लिखा गया है। पुलिस ने रोहित क्षेतीजा निवासी सिंधी कालोनी जिला नरसिंहपुर (मप्र), रविशंकर सिंह गोंड निवासी उदयपुर थाना मनियर जिला बलिया (उप्र), जीब

छग, यूपी-एमपी समेत नेपाल के हैं आरोपित

नारायण पांडेय निवासी छत्रदेव थूला पोखरा थाना संधी खर्क जिला हरगाखांची नेपाल, शुभम निषाद निवासी न्यू हास्पिटल कालोनी थाना सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम (छग), ईस्सोरी प्रसाद पांडेय निवासी पीपरा जिला कपिल बस्ती नेपाल, हाल पता - मौली कांपलेक्स मौली जागरा चंडीगढ़ को पकड़ा है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की कार्रवाई

रायपुर पुलिस लगातार आनलाइन सट्टे के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर थाना पुलिस ने 11 अप्रैल को आरोपित अनिल आहूजा को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार सटोरिए से प्राप्त जानकारी के साथ ही विवेचना तथा तकनीकी विश्लेषण के दौरान पाया गया कि उसके अन्य साथी दिल्ली में बैठकर अन्ना रेड्डी एप पैनल के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे हैं।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम का गठन कर दिल्ली रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा दिल्ली पहुंच कर सटोरियों की पतासाजी करते हुए उन्हें लोकेट किया गया ,जो कि दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट के एक फ्लैट में रहकर सट्टा खिला रहे थे। तब रेड कार्रवाई कर पकड़ा गया।

किराए में फ्लैट लेने के बहाने रेकी

पुलिस को जब सूचना मिली कि दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट के एक फ्लैट में सट्टा संचालित हो रहा है। पुलिस ने उसी अपार्टमेंट में फ्लैट किराए पर लेने की योजना बनाकर सभी फ्लैट की रेकी कर रहे थे। प्रत्येक व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

21 मई को मिली प्रज्ज्वल रेवन्ना के पासपोर्ट को रद्द करने की मांग, विदेश मंत्री जयशंकर का खुलासा

बंगलूरू। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुलासा किया है कि प्रज्ज्वल रेवन्ना का पासपोर्ट रद्द करने की मांग विदेश मंत्रालय को 21 मई को मिली है। विदेश मंत्री का यह खुलासा ऐसे वक्त सामने आया है, जब कर्नाटक के गृहमंत्री ने दावा किया कि प्रज्ज्वल का पासपोर्ट रद्द करने की मांग पर केंद्र सरकार ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसे लेकर सीएम सिद्धारमैया ने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा है।

विदेश मंत्रालय ने प्रज्ज्वल रेवन्ना को जारी किया नोटिस

विदेश मंत्री ने बताया कि पासपोर्ट रद्द करने की मांग मिलते ही मंत्रालय ने 23 मई को उस पर कार्रवाई शुरू कर दी। वहीं विदेश मंत्रालय ने प्रज्ज्वल रेवन्ना को नोटिस भी जारी कर दिया है, जिसमें उनसे पूछा गया है कि उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द क्यों नहीं किया जाना चाहिए। बता दें कि कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में प्रज्ज्वल रेवन्ना मुख्य आरोपी हैं। आरोप है कि प्रज्ज्वल ने कई महिलाओं का शारीरिक शोषण किया। जिनमें से कई के साथ दुष्कर्म किया गया। महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाए गए।

प्रज्ज्वल हासन लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और 27 अप्रैल को मतदान होते ही वे राजनयिक पासपोर्ट पर जर्मनी रवाना हो गए थे। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि राजनयिक पासपोर्ट पर यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से कोई मंजूरी नहीं ली गई थी। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया हुआ है। अब प्रज्ज्वल को वापस भारत लाने के लिए उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया चल रही है। साथ ही एसआईटी की (शेष पृष्ठ 6 पर...)

शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना कार्य करें संपन्न - कलेक्टर

निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक मतगणना संपन्न कराने पूरी मतगणना प्रक्रिया की दी गई बारीकी से जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल की उपस्थिति में लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए संसदीय निर्वाचन क्षेत्र राजनांदगांव के अंतर्गत राजनांदगांव, कबीरधाम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के मतगणना कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को आज जिला पंचायत के सभाकक्ष राजनांदगांव में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि डाटा प्रमाणिक होना चाहिए और समय पर प्राप्त होना चाहिए। इस पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने पूरी सावधानी रखते हुए मतगणना कार्य करने कहा। उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपने-अपने टेबल पर मतगणना कार्य संपन्न कराने कहा। उन्होंने सभी मतगणना कार्य में लगे अधिकारियों को अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करने कहा। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना के तकनीकी और व्यवहारिक पहलुओं के बारे में बारीकी से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर श्री सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री खेमलाल वर्मा, राजनांदगांव, कवर्धा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सहायक रिटर्निंग आफिसर, सिक्योरिटी नोडल, मास्टर ट्रेनर्स एवं मतगणना कार्य में लगे अधिकारीगण प्रशिक्षण में शामिल हुए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय रायपुर के उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विनय अग्रवाल एवं सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री रूपेश वर्मा ने बिन्दुवार मतगणना तथा परिणाम की घोषणा की प्रक्रिया के बारे में प्रजेन्टेंशन के जरिए सरल ढंग से बताया।

प्रशिक्षण में मतगणना व्यवस्था, जरूरी सामग्री, सामग्री प्रबंधन, डाक मत पत्र गणना के लिए सामग्री, वीडियोग्राफी, मतगणना के प्रमुख वैधानिक प्रावधानों, वीवीपैट पर्चियों के अनिवार्य सत्यापन की प्रक्रिया, मतगणना केन्द्रों में आधारभूत संरचना, मतगणना केन्द्र में सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना केन्द्र में बैठक व्यवस्था, मतगणना हॉल में अनुशासन एवं शिष्टाचार, मतगणना स्टॉफ और गणना अभिकर्ता, डाक मत पत्रों के मतों की गणना, सेवा मतदाताओं के मतों की गणना, ईटीपीबीएस की गणना शुरू करने की प्रक्रिया, क्यूआर कोर्ड की स्केनिंग की प्रक्रिया, ईवीएम में दर्ज मतों की गणना, वीवीपैट पर्चियों की गणना के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया, वीवीपैट कागज पर्ची की गणना प्रक्रिया, मशीनों की सीलिंग, परिणामों की घोषणा आदि के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में अधिकारियों ने मतगणना कार्य को निर्विघ्न, सफलतापूर्वक एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने हेतु मतगणना की विभिन्न प्रक्रियाओं, उनके बारीकियों एवं इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

प्रशिक्षण में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने सर्वप्रथम मतगणना के दौरान मतगणना स्थल में उपलब्ध कराए जाने वाले जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान स्टांग रूम में इंटरनेट, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था के लिए सभी संबंधित विभगों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। जिससे कि इस दौरान इन विभागों से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसे तत्काल दूर कर मतगणना कार्य को निर्बाध रूप से पूरा किया जा सके। प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना के दौरान सामान्य प्रेक्षक द्वारा भी दो ईवीएम की रैण्डम जांच भी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि मतगणना के दौरान सभी प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं त्रुटि बिल्कुल भी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए कड़ी कार्रवाई के संबंध में भी जानकारी दी। मतगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारी-कमर्चारियों को इसके प्रमुख वैधानिक प्रावधानों की भली-भांति अध्ययन करने को कहा गया।

प्रशिक्षण में अधिकारियों ने मतगणना हेतु मतगणना एजेंट की नियुक्ति, मतगणना हाल में प्रवेश के निर्धारित प्रक्रियाओं, मतदान से जुड़े गोपनीयता के संबंध में जानकारी देते हुए इसका पालन सुनिश्चित कराने को कहा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों ने मतगणना स्थल के सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतगणना हाल में किसी भी गणना अभिकर्ता को मोबाईल, कैमरा, इलेक्ट्रानिक डिवाईस इत्यादि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मीडिया के लोगों को मीडिया सेन्टर तक मोबाईल ले जाने की अनुमति दी जाएगी। मीडिया के लोगों का ग्रुप बनाकर उन्हें मतगणना सेन्टर का भ्रमण कराया जाएगा। उम्मीदवार एवं अभिकर्ता तथा मीडिया के लोग सुरक्षा हेतु बनाए गए जालीदार बैरिकेटिंग्स के बाहर से ही मतगणना कार्य का अवलोकन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य व केन्द्र सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष के अलावा कोई भी सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति यदि वह स्वयं उम्मीदवार नहीं है तो उसका प्रवेश मतगणना स्थल में पूरी तरह वर्जित है। इसके साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर एवं सहायक निटर्निंग ऑफिसर किसी भी व्यक्ति को मतगणना स्थल से बाहर कर सकता है। प्रशिक्षण में डाक मत पत्र के गणना की विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान डाक मत पत्र की गणना सर्वप्रथम की जाएगी। राजनांदगांव संसदीय क्षेत्र के 4 जिलों के डाक मतपत्र की गणना राजनांदगांव के छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस कॉर्पोरेशन कृषि उपज मंडी बसंतपुर में की जाएगी। इसके लिए अलग से कक्ष बनाया जाएगा। प्रशिक्षण में डाक मत एवं ईटीपीबीएस मत पत्रों के अस्वीकृत होने के कारणों की विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

जिला प्रशासन की पहल पर ग्राम मोतीपुर में नवीन बोर खनन से पेयजल की समस्या हुई दूर

कलेक्टर ने कम पानी की आवश्यकता वाली फसल लेने किसानों को किया प्रेरित

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम मोतीपुर में नवीन बोर खनन से पेयजल की समस्या दूर हो गई। ग्रीष्म ऋतु मे ग्रामीणों द्वारा धान की फसल लेने के कारण जल स्तर काफी नीचे चले जाने से ग्रामीणों को पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई थी।

पानी की समस्या को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा गांव में पेयजल की समुचित व्यवस्था की जा रही है। जिसके तहत ग्राम मोतीपुर में पेयजल स्त्रोत के सूख जाने पर विभाग द्वारा बोर खनन का कार्य प्रारम्भ किया गया। जिसमें पहले बोर खनन के असफल होने के बाद तत्काल दूसरा बोर खनन किया गया और सफलतापूर्वक ग्रामीणों को पानी की उपलब्धता हो रही है। ग्राम मोतीपुर में पेयजल की समस्या दूर होने पर ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है।

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा है कि गर्मी के दिनों में धान की फसल के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है। बोर खनन एवं मोटर पंप के माध्यम से सिंचाई करने पर भू-जल स्तर में कमी आ रही है। इसे ध्यान में रखते हुए किसानों को कम पानी की आवश्यकता वाले मक्का, गेहूं जैसे अन्य फसलों को लेने के लिए प्रेरित किया है।

23955 किसानों को 115 करोड़ 25 लाख रुपए के ऋण का हुआ वितरण

जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडारण, कलेक्टर ने किसानों से खाद एवं बीज के अग्रिम उठाव की अपील की

- रासायनिक खाद का 27735 मीट्रिक टन भण्डारण, अब तक किसानों को 16625.6 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का किया गया वितरण
- बीज का 4959 क्विंटल भंडारण, किसानों को अब तक 1214.50 क्विंटल बीज किया गया वितरण

राजनांदगांव (दावा)। जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडारण है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने किसानों से खाद एवं बीज के अग्रिम उठाव की अपील की है। उन्होंने कहा कि खेती किसानी के दिनों को ध्यान में रखते हुए किसान खाद एवं बीज का अग्रिम उठाव करेंगे तो उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। बारिश होते ही खेती किसानी के कार्यों में गति आयेगी। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने किसानों को पर्याप्त खाद एवं बीज की उपलब्धता के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, प्रबंधक बीज निगम की संयुक्त समीक्षा करते हुए खाद व बीज की पर्याप्त उपलब्धता के निर्देश दिए हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्र बैंक मर्यादित राजनांदगांव ने बताया कि जिले में खरीफ 2024 अंतर्गत 27735 मीट्रिक टन रासायनिक खाद भण्डारण किया गया है, जो कुल भंडारण का लगभग 62.01 प्रतिशत है। किसानों को 16625.6 मीट्रिक टन रासायनिक खाद वितरण किया जा चुका है। जिसमें यूरिया 7385.2 मीट्रिक टन, सुपर 2049.8 मीट्रिक टन, डीएपी 4716.3 मीट्रिक टन, एनपीके 1455.9 मीट्रिक टन, पोटाश 1005.4 मीट्रिक टन, अन्य 13 मीट्रिक टन है। किसानों को 11109.4 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किया जाना शेष है। जिसमें यूरिया 4435.8 मीट्रिक टन, सुपर 1875.8 मीट्रिक टन, डीएपी 1868 मीट्रिक टन, एनपीके 1520.6 मीट्रिक टन, पोटाश 1400.6 मीट्रिक टन, अन्य 8.6 मीट्रिक टन शामिल है। इसी तरह जिले में 4959 क्विंटल बीज का भंडारण हो चुका है और किसानों को 1214.50 क्विंटल बीज वितरण किया जा चुका है तथा 3745.10 क्विंटल बीज किसानों वितरण के लिए शेष है। जिले में खरीफ 2024 के लिए अल्पकालीन फसल ऋण के तहत जिले के 23955 किसानों को 115 करोड़ 25 लाख रूपए का ऋण का वितरण किया गया है। जिसमें 9567.23 रूपए नगद एवं 1958.23 रूपए के वस्तु शामिल हैं।

बारिश के पूर्व बड़े नाली नाला की सफाई

राजनांदगांव (दावा)। निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता के निर्देश पर बारिश के पूर्व शहर के सभी बड़े नाली नालो की सफाई कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत फरवरी से नाली सफाई कार्य प्रारंभ किया गया है चरणबद्ध शहर के प्रमुख नाली-नालो की सफाई कराई जा रही है। आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य का अमला प्रतिदिन नाला सफाई मेनुवल एवं जे.सी.बी. के माध्यम से कर रहे है। जिसकी सतत निरीक्षण भी स्वास्थ्य अधिकारी दीपक अग्रवाल, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा एवं स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव व सफाई दरोगा के द्वारा किया जा रहा है।

आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि बरसाती पानी का बहाव ठीक ढंग से होने बसंतपुर, इंदिरा नगर, जिला चिकित्सालय के सामने, नंदई, गंज चौक मुरारजी पुलिया, गुरूद्वारा के पास, पुराना अस्पताल के पास, मोहरा रोड, जी.ई. रोड के नालो की सफाई कराई गयी है। चिखली, शांति नगर, मोतीपुर, ढाबा, पेन्ड्री के नालो की सफाई भी कराई जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य अमला को कडे निर्देश देते हुये कहा कि शहर के सभी नालों की सफाई अच्छे से कराकर समय सीमा में पूर्ण कर लिया जावे, ताकि बारिश में पानी भरान की स्थिति न हो तथा स्वास्थ्य अमला भी अपने अपने क्षेत्र में प्रतिदिन उपस्थित रहकर निर्धारित समय तक सफाई कराना सुनिश्चित करेंगे। कार्य में लापरवाही बरतने वाले एवं लम्बे समय से अनुपस्थित कर्मचारियो के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जावेंगी।

आयुक्त श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि वर्षा ऋतु में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिये सफाई अभियान सम्पादित करे तथा जल शुद्धिकरण के अंतर्गत निगम सीमान्तर्गत तालाबों में डल्ला चूना व ब्लीचिंग पाउडर डालकर जलशुद्धिकरण कराया जाये। गड्ढो में पानी भरने की स्थिति में कच्ची नाली खोद कर पानी निकासी की व्यवस्था करे। जल जमाव से होने वाले बिमारी जैसे डायरिया, डेंगू मलेरिया, पिलिया न फैले इसके लिए दवाई का छिड़काव करें, साथ ही होटलो का निरीक्षण कर पर्याप्त साफ सफाई व्यवस्था बनाये रखने एवं ताजा खाद्य पदार्थ बिक्री करने हेतु संबंधित व्यवसायियों को समझाईस देवे। सड़क में मलमा या भवन मटेरियल रखने पर मलमा मंडप के तहत् कार्यवाही करें।

शनिदेव धाम ने मनाई बुद्ध पूर्णिमा.....

राजनांदगांव (दावा)। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर शनिदेव धाम के राकेश ठाकुर के मार्गदर्शन में स्थानीय आंबेडकर चौक में दीप प्रज्वलित कर मंत्रोचार के साथ भगवान बुद्ध की जयकार करते हुए हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बागेश्वर धाम प्रमुख पंकज गुप्ता, जयनारायण सिंह, अमलेंदु हाजरा, राकेश इंदुभूषण ठाकुर, एस.के. तिवारी, श्री गजभिए, रमेश वानकर, शिवनाथ तट समिति के श्री तिवारी, सांख्य कुमार पांडेय, एजाज सिद्दीकी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा सबेरे 10.00 बजे से न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का विषय 'जलवायु परिवर्तन सदी की सबसे बड़ी चुनौती'रखा गया है। पोस्टर प्रतियोगिता चार आयु वर्ग में आयोजित होगी जिसमे प्रथम वर्ग में 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग में 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष एवं चतुर्थ वर्ग दिव्यांगजनों के लिए होगा। प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए जाएंगे।

नरोत्तम लाल साहू का निधन

नाहंदा (दावा)। ग्राम पंचायत नाहंदा निवासी नरोत्तम लाल साहू का आज निधन हो गया है। वे अपने पीछे अपनी धर्मपत्नी श्रीमती दानबाई साहू के साथ भरापूरा परिवार छोड़ गये। उनके तीन पुत्रों में बड़े सुपुत्र सुरेंद्र साहू, भानेश साहू, भोजेश साहू सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये है। भोजेश साहू के पिता के निधन पर पत्रकार सरोकार मंच राजनांदगांव ने अपनी श्रद्धांजलि की।

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
आज ता. 24 से भव्य शुभारंभ रोजाना 4 खेलों में
समय : 12, 3, 6 व 9 बजे
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
पारिवारिक, एक्शन एवं गीत संगीत से भरपूर
सतीश जैन कृत
मोर छंइया भुंईया-2
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - मन कुरैशी, दीक्षा जायसवाल, दीपक साहू, एल्सा घोष, पुष्पेन्द्र सिंह, नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित, धर्मेन्द्र चौबे आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

paytm book my show
SILVER SCREEN MULTIPLEX
25th to 30th May 2024
silver SCREEN

Furiosa A Mad Max Saga (Hindi) - 06:30 & 09:30 pm
Mor Chhainha Bhuinya 2 (C.G)- 12:00, 12:30, 03:00, 03:30, 06:00 and 09:00 pm
Bhaiyya Ji (Hindi) - 12:15 and 03:15 pm
Shrikanth - 06:15 and 09:15 pm
Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) 8085600200

हत्या के मामले में तीन लोगों को आजीवन कारावास की सजा

झाड़-फूंक के चलते हुई थी हत्या

राजनांदगांव (दावा)। हत्या के एक मामले में न्यायालय माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगाँव श्रीमति सुषमा सावंत द्वारा प्रकरण की पूरी सुनवाई के बाद आज 24 मई 2024 को फैसला सुनाते हुये अभियुक्त वानीराम पिता स्व. परसूराम कोमरे, उम्र 32 साल एवं अनिल पिता राजाराम कोमरा, उम्र 25 साल दोनों निवासी ग्राम लोहत्तर, जिला कांकेर एवं अभियुक्त जयलाल सिन्हा पिता स्व. मेहरुराम सिन्हा, उम्र 35 साल, निवासी ग्राम बोगरेपारा, सिवनी, थाना खड़गाँव तीनों अभियुक्तगणों को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 450 के तहत् पांच वर्ष के सश्रम कारावास एवं पांच सौ रूपये अर्थदंड, अर्थदंड की राशि अदा न किये जाने की स्थिति में एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास तथा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/34 के तहत् आजीवन कारावास एवं एक-एक हजार रुपये का अर्थदंड, अर्थदंड की राशि अदा न किये जाने की स्थिति में छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा से दण्डित किये जाने का दण्डादेश पारित किया गया।

मामले में छत्तीसगढ़ शासन की ओर से पैरवी करने वाले जिला लोक अभियोजक नारायण कन्नौजे ने बताया कि, मृतक जंगल सिंह अपनी पत्नि सुकमाय बाई, पुत्र नरेश कुमार, बहु सावित्री एवं भुनेश्वरी ओर उनके बच्चों के साथ ग्राम बोगरेपारा, सिवनी के बस्ती में निवासरत् थे और खेती किसानी एवं बैगा का काम करता था। घटना दिनांक 30 सितंबर 2021 के दो दिन पूर्व से मृतक जंगल सिंह उसके पुत्र नरेश को बुखार होने के कारण उसकी पत्नि भुनेश्वरी के साथ खेत की झोपड़ी वाले घर में रह रहा था। दिनांक 29.09.2021 को रात में उसकी माँ सुकमाय बाई, सावित्री धुर्वे और नीतू, नरेश के लिये खाना लेकर झोपड़ी में आये और वहीं सो गये, जिसके कारण मृतक जंगल सिंह बस्ती वाले घर में अकेला था। सुबह 6 बजे सावित्री बाई बस्ती वाले घर में गई तो देखी कि, जंगल सिंह लहुलुहान हालत में पड़ा हुआ है, उसे किसी ने मार दिया है।

सूचना मिलने पर मृतक के सभी परिवार वाले बस्ती वाले घर में गये, गांव के लोग भी आ गये थे और देखे तो जंगल सिंह लहुलुहान हालात में अधमरा पड़ा हुआ है और चारों ओर खून फैला हुआ था, जंगल सिंह के कनपटी और माथे में गहरी चोट थी, बांयी आंख फूट गयी थी और खून बह रहा था। जंगल सिंह को मानपुर अस्पताल ले जाया गया, तब जंगल सिंह ने होश आने पर अपने घर वालों को बताया कि, ग्राम लोहत्तर के दानीराम कोमरे और उसके साथी हथियार से मारे है। मानपुर अस्पताल पहुंचते ही जंगल सिंह की मौत हो गई। सूचना पर थाना खड़गांव द्वारा मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया था। दौरान जांच के अभियुक्त दानीराम, अनिल एवं जयलाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था तथा संपूर्ण जांच उपरान्त अभियोग पत्र विचारण हेतु न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था।

NAME CHANGE
NEW NAME - KHUSHBOO NAHATA
OLD NAME - KHUSBOO NAHATA HUSBAND NAME - RISHAB NAHATA
KHUSHBOO NAHATA
ADDRESS - HOUSE NO. 204 WARD NO 26 GANJ LINE RAJNANDGAON CHHATTISGARH

कांग्रेस नेत्री के घर चोरी... सोने का लटकन गायब

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम रातापायली निवासी कांग्रेस नेत्री श्रीमती विभा साहू के घर चोरी हो गई। अज्ञात चोर ने उसके सोने के लटकन पर हाथ साफ कर दिया। बताया जाता है कि कांग्रेस नेत्री व पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विभा गत दिनों पारिवारिक कार्यक्रम में गई थी। वहां से लौटने के बाद अपने गहनों को उन्होंने निकालकर आलमारी में रख दिया। इस दौरान एक कान का सोने के लटकन सोफे में गिर गया। 12 मई को छठी कार्यक्रम में जाने के लिए विभा साहू ने आलमारी में रखे गहने निकाले तो उसमें सोने का लटकन गायब था। 16 को छटी कार्यक्रम से लौटने के बाद घर के सीसीटीवी फूटेज की जांच की तो फूटेज में अपने घर की नौकरानी को 23 अप्रैल की सुबह 10 से 12 बजे के बीच झाड़ू लगाते समय लटकन को उठाते पाया गया। इस सम्बंध में जब नौकरानी से पूछताछ की गई तो उसने साफ इंकार कर दिया है। मामले को लेकर शिकायत पर पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है।

न्यायालय नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव
ईश्तहार
रा.प्र.क्रं. 202402092100005-अ/6 (अ) वर्ष 2023-24

एतद सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भादुराम पिता ढूरूराम जाति लोधी, निवासी ग्राम रूवांतला, पोस्ट धनगांव, थाना व तहसील डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें लेख किया है कि आवेदक के निजी भूमि स्वामित्व हक वो आधिपत्य के एकल खाते में ग्राम रूवातंला, प.ह.नं.10 रा.नि.मं. मुसराकला, तहसील डोंगरगढ़ स्थित भूमि खसरा नंबर 451 का रकबा 0.206 हेक्टेयर लगानी भूमि स्थित है। जो कि मेरे ऋण पुस्तिका एवं अधिकार अभिलेख वर्ष 1969-70 में मेरे पिता के नाम पर दर्ज थी जो सही है। आवेदक अपने उपरोक्त भूमि पर काबिज होकर कास्त कर रहा हूं ऑनलाईन में खसरा, बी-1 में खसरा नंबर 451 रकबा 0.077 हेक्टेयर दर्ज किया गया है जो कि मेरे ऋणपुस्तिका तथा कास्त कब्जा अनुसार कम दिखा रहा है। वर्तमान कम्प्यूटरीकृत नक्शा, खसरा बी-1 के अनुसार खसरा नंबर 451 का रकबा 0.077 है जो कि त्रुटिपूर्ण है। जिसे दुरूस्त किया जाना आवश्यक है। आवेदक द्वारा अपनी उपरोक्त निजी भूमि स्वामित्व हक वो आधिपत्य की भूमि का रकबा ऋण पुस्तिका एवं कब्जा के अनुसार दुरूस्त किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ तलवाना, बी-1, पी.2 एवं ऋण पुस्तिका की छायाप्रति पेश किया गया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनाक27/05/2024 के पूर्व स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया। पेशी तारीख-27/05/2024

नायब तहसीलदार, डोंगरगढ़ (छ.ग.)

शुभांक
अनुमानित
बी. के
3-5-7
399-1 240-6
राजधानी
1-4-7
466-6 247-3
चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

एंटी नक्सल ऑपरेशन : 72 घंटे तक चली मुठभेड़ में आठ माओवादी ढेर, चार गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जगदलपुर। जगदलपुर में रेकावाया के जंगल में माड़ डिवीजन और पूर्वी बस्तर डिवीजन के के तहत इंद्रावती एरिया कमेटी के डीवीसीएम दीपक, कमलाकर, सपना उर्फ सपनक्का, प्लाटून नंबर 16 का कमांडर मल्लेश के साथ 50-60 सशस्त्र नक्सलियों की सूचना पर ऑपरेशन जलशक्ति के अंतर्गत जिला दंतेवाड़ा डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी, बस्तर डीआरजी एवं बस्तर फाइटर तथा एसटीएफ़ के सुरक्षाबलो का संयुक्त ऑपरेशन भेजा गया।

जहाँ 72 घंटों तक चले ऑपरेशन में पुलिस ने आठ नक्सलियों को मार गिराया। वहीं वापसी के दौरान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी को डिफ्यूज करने के साथ ही कुछ नक्सलियों को पकड़ा भी गया।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया की जिला दंतेवाड़ा-बीजापुर- नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्र हांदावाड़ा रेकावाया के बीच पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। 23 मई के सुबह 11 बजे से 24 मई के सुबह 9 बजे तक लगभग 7-8 बार रुक रुककर दोनों ओर से फायरिंग चलती रही, घटना के बाद पुलिस ने इलाके की सर्चिंग में 8 वर्दीधारी नक्सलियों के शवों के भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया है। ग्राम रेकावाया के जंगल में नक्सलियों के द्वारा बनाये गए अस्थाई ट्रेनिंग कैम्प को भी ध्वस्त किया गया। 23 मई की सुबह 11 बजे गश्त के दौरान सुरक्षाबलों पर नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू की जवानों ने भी मुस्तैदी से मोर्चा सम्भाला और आठ माओवादियों को ढेर कर दिया। इस मुठभेड़ में कई नक्सली घायल भी हुए हैं जिन्हे उनके साथी नक्सली घने जंगल और पहाड़ों का फायदा उठाकर ले जाने में सफल हुए। 24 मई को पुलिस टीम जब वापस आ रही थी तभी जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने 15 किलो का आईईडी भी लगाया था, जिसे जवानों के द्वारा नष्ट किया गया। आज पुलिस फोर्स के सर्चिंग से लौटते समय चार नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही फोर्स ने आईडी डिफ्यूज किया। भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। आज मुठभेड़ में कोई नक्सली मारे नहीं गए हैं, कल जो मुठभेड़ हुई थी उसमें आठ नक्सली मारे गए थे।

हादसे रोकने के लिए क्या की गई पहल, एचसी ने राज्य सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी से मांगा जवाब

बिलासपुर। कवर्धा में हुए सड़क हादसे पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने कहा शपथ पत्र में बताएं राज्य सरकार सड़क हादसे रोकने के लिए क्या पहल कर रही है।

बता दें कि कवर्धा हादसे में 19 लोगों की मौत हुई थी जिस पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई की है।मामले में जनहित याचिका के रूप में शुरू की गई सुनवाई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी से कहा कि सड़क हादसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कितना अमल हुआ इसको लेकर रिपोर्ट पेश करें। वहीं अब इस मामले पर 26 जून को अगली सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस की डिविजन बेंच में सुनवाई हुई।

20 मई को हुआ था हादसा

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में 20 मई को भीषण सड़क हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 18 महिलाएं और एक पुरुष थे। दरअसल यह हादसा पिकअप के पलटने की वजह से हुआ था। पिकअप में करीब 36 लोग सवार थे, ये सभी तेंदूपत्ता तोड़कर वापस लौट रहे थे। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी में हुआ था। पिकअप 30 फिट नीचे खाई में गिर गई जिसके चलते इतना बड़ा हादसा हुआ।

एक ही गांव के रहने वाले थे सभी मृतक

सभी मृतक सेमरहा गांव के रहने वाले थे। जिस सड़क में यह हादसा हुआ था वह प्रधानमंत्री सड़क में आती है। ये कुई से होते हुए नेऊर और रुकमीदादर को जोड़ती है। इसके बाद मध्य प्रदेश शुरू हो जाता है। घटना स्थल सुदुर वनांचल और पहाड़ी क्षेत्र में आता है। यहां पर मोबाइल नेटवर्क भी काम नहीं करता।

आज देवर्षि नारद जी की जयंती

राजनांदगांव(दावा)। पत्रकारों का अपूर्व पूर्वज देवर्षि नारदा जी की जयंती आज 25 मई को मनाई जाएगी। नारद जी लोक मंगल के संचारकर्ता, देवता के रूप में पूजे गए है। पुराणों में नारद जी को भागवत सवांददाता की तरह देखा गया है जिसका देव-दानव, राक्षस दैत्य सभी सम्मान करते है और नारद जी भी उन्हें समान भाव से देखा करते है। कहां तो यह भी जाता है कि वाल्मीकी जी ने रामायण और महर्षि व्यास ने श्रीमद भागवत-गीता का सृजन नारद जी की प्रेरणा से ही किया था। हाथ में वीणा व करताल चटखाते हुए नारायण-नारायण कह कर चलने वाले नारद जी अप्रतिम संगीतकार भी है।

गंधर्वों से संगीत सीख कर खुद को सिद्ध किया व नारद संहित ग्रंथ की रचना की। खास बात यह कि नारद जी कभी कही ठहरे नहीं ऋषि परम्परा से आने वाले नारदजी का न कोई आश्रम रहा न कोई मठ रहे। वे सतत प्रवास पर रहते है। लोक मंगल के लिए उनकी हर यात्रा उद्देश्य परक रही है। नारद जी ब्रहमा जी के मानस पुत्र है। उन्हें संकटों का समाधान, संवाद और संचार से करने में महारत हासिल है। सबसे बड़ी बात है कि नारद जी का स्वयं का कोई हित नहीं था। इसलिए उनका समूचा संसार लोकहित के लिए है। क्षीर सागर में शयन करने वाले भगवान विष्णु की भक्ति में सदा निमग्न रहने वाले नारद जी को आदि पत्रकार कहा जाय तो अतियुक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि इस आदि पत्रकार की जयंती के दिन भारत के प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त-मार्तण्ड के प्रकाश के प्रकाशन के लिए सम्पादक पं. जुगल किशोर शुक्ल ने देवर्षि नारदा जयंती के दिन का ही चुनाव किया था। देवताओं मनुष्यों और राक्षसों के बीच समान आदर पाने वाले नारद जी सबके सलाहकार, मित्र, प्राचार्य और मार्ग दर्शक है। सभी युगों ओर सभी लोगों में समान भाव से भ्रमण करने वाले नारद जी की जयंती पर उन्हें पत्रकारों द्वारा कृतगता पूर्वक याद किया जाएगा।

आज से नवतपा प्रारंभ... अंगारे बरसाएगा सूरज

- जेष्ठ माह शुरू होने के साथ गर्मी-बारिश का बना योग
- मानसून अच्छी रहने की संभावना

राजनांदगांव(दावा)। बुद्ध पूर्णिमा मनाने के ठीक दूसरेदिन से हिन्दू माह का जेष्ठ माह प्रारंभ हो गया है। इसके ठीक दूसरे दिन से नौ-दिनों तक तपने वाला नवतपा भी शुरू हो रहा है। नौतपा जेष्ठ माह के शुरूआती नौ दिनों तक सूरज पृथ्वी के काफी करीब रहने के कारण धरती के प्राणियों पर अंगारे बरसाएगा। नौ-तपा के नौ दिनों तक खूब तपने वाले सूरज के इस भीषण तपन को गर्मी का चरमोत्कर्ष रूप कहा जाता है।

शहर के लब्ध प्रतिष्ठ ज्योतिषाचार्य पातंजलि बाजपेयी ने बताया कि सूर्य 24 मई की रात 3.15 बजे सिद्ध योग में जैसे ही चन्द्र प्रधान रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा वैसे ही नवतपा शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 जून तक नौतपा में सूरज काफी तीक्ष्ण रहेगा।

भीषण गर्मी पड़ेगी साथ ही उन्होंने बारिश का भी योग बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सूर्य जेष्ठ मास में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है सूरज की तेज गर्मी (हीट वेव) और चन्द्र की आर्द्रता (हयूमिडीटी) का योग बनाता है।

इससे भीषण गर्मी और कम दबाव का क्षेत्र भी बनता है। इससे तेज हवा चलने के साथ हल्की बारिश होने की स्थिति बनती है। यही वजह है कि नौ-तपा के दौरान ज्यादातर सालों में 28-31 मई के बीच तेज अधड़ चलने के साथ बारिश भी होती है। उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ माह में आर्द्रा नक्षत्र के बाद 10 दिनों तक यदि अच्छी गर्मी पड़ती है तो वर्षा का योग भी अच्छा रहता है।

प्रचंड गर्मी के योग

बता दे कि वैशाख माह में गर्मी प्रचण्ड रूप से थी। तापमान 43 डिग्री सेन्टीग्रेड तक जा पहुंचा था। हालांकि इस बीच आसमान में बदली और बारिश का भी दौर रहा। बाबजूद इसके भीषण गर्मी का प्रकोप बना रहा। अब जेष्ठ माह में नवतपा लगते ही भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। जेष्ठ माह 24 मई से प्रारंभ होकर 22 जून तक चलेगी। लोगों में यह मान्यता है कि जेष्ठ माह अपने आप में जेष्ठ यानिकि बड़ा होने के कारण अन्य महिनों की अपेक्षा काफी कठिन होता है। इस माह में गर्मी प्रचंड रूप से होती है।

इसी महिने में नीम पर करेला की तरह आज 25 मई से नवतपा शुरू होने जा रहा है। तब तो भीषण गर्मी का क्या कहना है। लोगों को पसीने से तरबतर कर देगा। यदिइस बीच छुटपूट बारिश हुई तो लोग चिपचिपी गर्मी व उमस से बेहाल हो जाएगा। बहरहाल अब नौ-दिनों तक नवतपा के उग्र रूप को देखना होगा।

खेती-किसानी कार्य का दौर

कृषि प्रधान अंचल छत्तीसगढ़ में वैसे तो अक्षय तृतीया (अक्ती) त्यौहार मनाने के साथ ही खेती किसानी का प्रारंभिक कार्य शुरू हो जाता है। लेकिन जेष्ठ माह में किसानी कार्य की व्यापक तैयारिया शुरू हो जाती है। किसान अपने खेतों का खुर्रा जुताई कर छोड़ देते है। जिससे धरती के अन्दर पैठे रहे विषाणु, कीटाणु भीषण गर्मी की तपन से मर जाती है। किसानों की मानना है कि नौतपा के दौरान जितनी अधिक गर्मी होगी उतनी ही अच्छी बारिश होने की संभावना बनी रहती है। इस जेष्ठ माह में 16 को गजा देशहरा, 18 को महारानी लक्ष्मी बाई का बलिदान दिवस तो 24 को गड़ा मंडलावाली रानी दुर्गावती का भी बलिदान दिवस है। 6 जून को वट सावित्री व्रत तो 16 जून को भीमसेन एकादशी व इदुजुहा पर्व, बकरीद तथा आने वाले शुक्लपक्ष की पूर्णिमा को संत कबीर-जयंती मनाई जाएगी।

राजस्व शिविरों के आयोजन से आम जनता को मिल रहा लाभ

- राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए किया जा रहा शिविरों का आयोजन
- कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने के दिए निर्देश
- जिले में आयोजित 143 शिविरों में 1046 आवेदन निराकृत

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी तहसीलों में राजस्व शिविर का आयोजन होना चाहिए।

जनसामान्य को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे किसान जो खाता विभाजन करना चाहते हैं, उनकी सहमति से खाता विभाजन करा दें, ताकि उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में तकनीकी दिक्कत नहीं आयें। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी निर्धारित दिनों में मुख्यालय में उपस्थिता रहना सुनिश्चित करेंगें।

उल्लेखनीय जिले में आयोजित कुल 143 राजस्व शिविरों में 1295 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1046 आवेदन निराकृत किया गया है। राजस्व शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है। राजस्व शिविरों के आयोजन से आम जनता को लाभ मिल रहा है। डोंगरगढ़ तहसील अंतर्गत 23, राजनांदगांव तहसील अंतर्गत 23, डोंगरगांव तहसील अंतर्गत 28, छुरिया तहसील अंतर्गत 9, कुमरदा तहसील अंतर्गत 18, घुमका तहसील अंतर्गत 29 एवं लाल बहादुर नगर तहसील अंतर्गत 13 राजस्व शिविरों का आयोजन किया गया है। शिविरों के माध्यम से अविवादित नामांतरण के 40, अविवादित बंटवारा के 3, सीमांकन के 1, आय प्रमाण पत्र के 490, निवास प्रमाण पत्र के 164, जाति प्रमाण पत्र के 230 एवं अन्य प्रकरणों के 1002 आवेदनों का निराकरण किया गया।

सायबर सेल व चिखली पुलिस ने शातिर चोर को किया गिरफ्तार

- मोटर सायकल में लिफ्ट लेकर करता है चोरी

राजनांदगांव (दावा)। चौकी चिखली पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त कार्रवाई से एक आदतन शातिर चोर उनके हत्थे चढ़ा है। बताया जाता है कि उक्त शातिर चोर मोटर सायकल में लिफ्ट लेकर चोरी कार्य को अंजाम देता था। संयुक्त टीम ने उसे 24 घण्टे में गिरफ्तार कर उसके पास से माल बरामदगी की है। उक्त चोर को पकड़ने में सीसीटीव्ही कैमरा का सहयोग लिया गया। जिसमें शहर से बालोद तक सीसीटीव्ही कैमरा को खंगाला गया। तब कहीं जाकर शातिर चोर पुलिस के हत्थे चढ़ पाया।

बताया जाता है कि इस संबंध में एक पीड़ित प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि गत 21 मई को शहर के एचडीएफसी बैंक से रुपये निकाल कर अपने पिठठू बैग में पीछे रख हुआ था, और अपनी मोटर सायकल से खैरागढ रोड पदुमतरा की ओर जा रहा था। तभी दोपहर करीबन 03:00 बजे एक व्यक्ति देशमुख होटल चौक में लगाडकर चल रहा था मुझसे लिफ्ट मांगा तो धूप और गर्मी को देखते मैने उसे अपने मोटरसायकल में पीछे बैठा लिया जो आगे जाकर संजीवनी हास्पीटल के पास वह उतर गया। मैं आगे जाकर पदुमतरा में अपने पिठठू बैग में देखा तो 50,000 रु. नही. था, लिफ्ट लेने वाले व्यक्ति ने चलती मोटर सायकल से 50 हजार रु, चोरी कर लिया था।

इस रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दिये जाने उपरांत पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में तत्काल सायबर सेल व चिखली पुलिस टीम तैयार कर आरोपी को पकड़ने के लिये आवश्यक निर्देश दिया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस पास सीसीटीव्ही कैमरा को चेक किया गया जिसमें आरोपी दिखने पर प्रार्थी द्वार पहचान करने पर पुलिस सीसीटीव्ही कन्ट्रोल रुम के माध्यम से आरोपी का आने जाने के रास्तो को चेक कर राजनादगांव शहर से बालोद जिले तक के सीसीटीव्ही कैमरा को खंगाला गया व आरोपी का हुलिया और तरीका ए वारदात, से आस पास के जिलो में आरोपी के सबंध में पतासाजी की गई, सतत प्रयास से आरोपी की पहचान होने पर जिला बालोद के ग्राम आडेझर में दबिश घेराबंदी कर आरोपी हरीश धुव्र पिता स्व. खोरबाहरा धुव्र उम्र 29 वर्ष साव आडेझर जिला बालोद को पकड़ा गया। उससे पुछताछ में पहले तो घटना के सबंध में गोलमोल जवाब दे रहा था, तकनीकी साक्ष्य के आधार पर पुछताछ करने पर अपराध स्वीकार करते हुये उन्होंने बताया की लिफ्ट लेकर चलती मोटरसायकल में पिठठू बैग से 50 हजार रु चोरी किया हुँ। बाद चोरी की रकम 35 हजार रु. को जस कराया शेष 15 हजार रु को खाना-पीना व आने जाने और पार्टी में खर्च करना बताया। आरोपी के विरुद्ध प्रर्याप्त साक्ष्य सबुत पाये जाने से विधिवत गिरफतार कर न्यायालय पेश कर जहां से आदेशानुसार जेल की सीखचों के पीछे भेज दिया गया है। पुलिस ने आम जनता से अपने घर-दुकान व रास्तों पर सीसीटीव्ही लगाकर अपराध नियंत्रण में सहयोग करने की अपील की है।

उक्त कार्यवाही में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा, चौकी प्रभारी चिखली उप निरीक्षक नरेश कुमार बंजारे, प्रधानआरक्षक अरुण नेताम, बसंत राव, आरक्षक हरिश ठाकुर, परवेस वर्मा, राजकुमार बंजारा, अविरल भगत का महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

कटारनुमा चाकू लहराते आरोपी को बसंतपुर पुलिस ने धर दबोचा

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में कटार नुमा धारदार हथियार लहराते आरोपी को धर दबोचा है। आरोपी का नाम अजय यादव पिता हेमंत यादव उम्र 19 साल निवासी अटल आवास, सृष्टि कालोनी, कौरिनभाटा, बसंतपुर बताया जाता है। आदतन अपराधी आरोपी अजय यादव के पास से उक्त धारदार कटार नुमा चाकू बरामद कर पुलिस ने उसे आरोपी ज्युडिशियल रिमांड पर भेज दिया है।

बता दें कि जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में शहर में असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु टीम गठित की गई । गठित टीम के द्वारा मुखबिर सूचना पर आदतन अपराधी अजय यादव को घेराबंदी कर पकडकर उसके कब्जे से एक पट्टीनुमा धारदार चाकू बरामद किया गया जिसे लेकर वह हर आने जाने वालों को डरा-धमका रहा था। आरोपी को पकड कर उसके खिलाफ 25,27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से ज्युडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया हैं। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन, उपनिरीक्षक नरेश कुमार सार्वा, आरक्षक आदित्य सोलंकी, आरक्षक राजेश बंदेश्वर की भूमिका सराहनीय रही।

छत्तीसगढ़ में अंधड़ और बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अंधड़ और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक बस्तर, दंतेवाड़ा, धमतरी, गरियाबंद, कांकेर, कोंडागांव और सुकमा में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। यह अलर्ट शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक के लिए जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक तेज गर्मी से राहत रहेगी। तेज अंधड़, बारिश और बादलों के कारण दिन का तापमान कम रहेगा। बस्तर संभाग के ज्यादातर जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रहेगी। प्रदेश में समुद्र की ओर से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। नमी के कारण ही शाम और रात में तेज हवा के साथ कहीं-कहीं अच्छी बारिश भी हो रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान कवर्धा में सबसे ज्यादा 50 मिमी बारिश दर्ज की गई। माना और राजनांदगांव में करीब 10-10 मिमी बारिश हुई। बाकी स्थानों पर भी हल्की वर्षा रिकॉर्ड की गई।

भीड़ के चलते रेल्वे ने ट्रेनों में एसी-3 कोच की सुविधा बढ़ाई

राजनांदगांव (दावा)। अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु हावड़ा-पुणे-हावड़ा एवं हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 12262/12261 हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस एवं 12222/12221 हावड़ा-पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

यह सुविधा गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-सीएसएमटी में हावड़ा से दिनांक 22 व 24 मई 2024 को एवं गाड़ी संख्या 12261 सीएसएमटी-हावड़ा में सीएसएमटी से 23 व 25 मई 2024 को उपलब्ध रहेगी।

यह सुविधा गाड़ी संख्या 12222 हावड़ा-पुणे में हावड़ा से दिनांक 23 व 25 मई 2024 को एवं गाड़ी संख्या 12221 पुणे-हावड़ा में पुणे से दिनांक 25 व 27 मई 2024 को उपलब्ध रहेगी।

अशोका में विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निःशुल्क संचालन

राजनांदगांव (दावा)। नगर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान अशोका ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स परिसर में केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रधानमंत्री कौशल विकास 4.0 एवं 'स्कील डेव्लपमेंट' प्रोग्राम के अंतर्गत विभिन्न समयावधि के रोजगारोन्मुखी कोर्स का संचालन विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। महाविद्यालय के आसपास के ग्रामीण अचलों के प्रतिभावान युवक व युवतियों उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने भविष्य का सृजन कर रहें है।

वर्तमान में महाविद्यालय में PMKVY 4.0 के अंतर्गत संचालित विभिन्न कोर्स जैसे डाटाएंट्री ऑपरेटर (न्यूनतम योग्यता दसवीं, अवधि 3 माह) सूर्य मित्र योजना के अंतर्गत सोलर पैनल इंस्टालर (न्यूनतम योग्यता आई.टी.आई अथवा पॉलीटेक्निक डिप्लोमा, अवधि 3 माह) में प्रवेश लेकर बेरोजगार युवक युवतियाँ तकनीकी योग्यता को विकसित कर रोजगार प्राप्त कर सकते है या अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ कर सकते है।

विदित हो कि महाविद्यालय में संचालित समस्त कोर्स केन्द्र सरकार से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेशन कोर्स है जिसकी मान्यता पूरे देश में है साथ ही यह पाठ्यकम पूर्णतः निःशुल्क है।

पाठ्यकम पूर्ण होने के बाद राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में प्रशिक्षार्थियों की लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा ली जाती है जिसमें उत्तीर्ण होने पर उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया जाता है। कोई भी युवक युवती एक कोर्स करने के बाद दूसरे कोर्स में प्रवेश ले सकते है। विदित हो की गजानन शिक्षा समिति द्वारा अशोका आई.टी.आई एवं अशोका डिग्री कॉलेज का संचालन विगत कई वर्षों से किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त समिति द्वारा विभिन्न समयावधि जैसे 2 माह, 3 माह आदि के पाठ्यक्रमों का अनवरत संचालन किया जा रहा है जिसका लाभ आसपास के ग्रामीण अंचलो के छात्र-छात्राओं को मिल रहा है।

अशोका प्रबंधन की ओर से बताया गया कि जो भी युवक युवतियों उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक है वे महाविद्यालय में आकर संपर्क कर सकते है या मोबाईल नं. 6263364520, 8319493983 पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सुप्रीम कोर्ट : अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए ज़मानत तो हेमंत सोरेन को इनक़ार क्यों?

उमंग पोद्दार

लोकसभा चुनावों के लिए एक जून को ख़त्म होने वाले अंतिम चरण के मतदान से पहले जेल में बंद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छूटने की उम्मीद ख़त्म हो गई है.बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में उनके मामले की सुनवाई हुई. शीर्ष अदालत ने कहा कि वो हेमंत सोरेन की गिरफ़्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए इच्छुक नहीं है.

इसके बाद उनके वकील सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि वो अपनी याचिका वापस ले लेंगे. इसका मतलब ये हुआ कि हेमंत सोरेन को अभी जेल में ही रहना होगा.

लेकिन चुनावों को देखते हुए इसी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इलेक्शन कैम्पेन के लिए अंतरिम ज़मानत देने का फ़ैसला सुनाया था.

दोनों ही नेताओं के ख़िलाफ़ प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत क़ानूनी कार्रवाई की जा रही है. तो अरविंद केजरीवाल अंतरिम ज़मानत लेने में कामयाब रहे और हेमंत सोरेन को बेल नहीं मिल पाई.

क़ानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, ये स्पष्ट नहीं है कि लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए हेमंत सोरेन को अंतरिम ज़मानत क्यों नहीं दिया गया.

दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ़्तार किया था. केजरीवाल ने नियमित ज़मानत के लिए याचिका दायर नहीं की. इसके बजाय उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ़्तारी ही अवैध है और इसलिए उन्हें रिहा किया जाना चाहिए.

बीस दिनों में दिल्ली हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की याचिका ख़ारिज कर दी. नौ अप्रैल के इस फ़ैसले में हाई कोर्ट ने कहा कि पहली नज़र में केजरीवाल के ख़िलाफ़ करवाई के लिए पर्याप्त सबूत है.इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया.शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई पूरी की और अपना फ़ैसला सुरक्षित रख लिया.इस बीच, 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को एक जून तक के लिए सशर्त ज़मानत दे दी ताकि वे आम चुनावों में प्रचार कर सकें.

सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल से एक जून की मियाद पूरी होने पर दो जून को सरेंडर करने का भी निर्देश दिया है.

अदालत ने उन्हें ज़मानत देने के अपने फ़ैसले में कहा कि अरविंद केजरीवाल एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं. उनके ख़िलाफ़ गंभीर आरोप हैं लेकिन वे साबित नहीं हुए हैं. न तो केजरीवाल का कोई आपराधिक अतीत है और ना ही वे समाज के लिए ख़तरा हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ÷एक बार जब मामला अदालत के विचाराधीन होता है और गिरफ़्तारी की वैधता से जुड़े प्रश्न पर गौर किया जा रहा होता है तो और इसे अधिक समग्रता और उदारवादी नज़रिये से देखा जाना वाजिब है और वो भी तब जब 18वीं लोकसभा के लिए आम चुनाव हो रहे हों.÷

इतना ही नहीं, कोर्ट ने इस फ़ैसले में ÷आम चुनावों को इस साल की सबसे महत्वपूर्ण घटना÷ भी बताया. अरविंद केजरीवाल के ज़मानत से रिहा होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने इस केस में अपनी चार्जशीट दायर की जिसमें उन्हें नामजद किया गया है. प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ़्तार किया था. उन पर झारखंड में कथित तौर पर 8.5 एकड़ ज़मीन अवैध रूप से रखने का आरोप है. गिरफ़्तारी के ठीक पहले उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफ़ा दे दिया था.

वे दो फ़रवरी को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे. शीर्ष अदालत ने उन्हें पहले झारखंड हाई कोर्ट जाने को कहा. हाई कोर्ट ने हेमंत सोरेन का मामला सुना और 28 फ़रवरी को अपना फ़ैसला सुरक्षित रख लिया.

दो महीने से अधिक समय तक फ़ैसला सुरक्षित रखने के बाद आख़रिकार झारखंड हाई कोर्ट ने तीन मई को उनकी याचिका ख़ारिज कर दी.

हाई कोर्ट ने कहा कि पहली नज़र में उनके ख़िलाफ़ मामला बनता है. पहली नज़र में हेमंत सोरेन मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल लगते हैं और उनके ख़िलाफ़ काफी सबूत हैं.

इस बीच 30 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेने के ख़िलाफ़ चार्जशीट दाखिल कर दी. पीएमएलए कोर्ट (प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत बनी विशेष अदालत) ने अप्रैल की शुरुआत में चार्जशीट का संज्ञान लिया. इसके बाद 16 अप्रैल को हेमंत सोरेन ने रांची में पीएमएलए कोर्ट के समक्ष ज़मानत याचिका दायर की. हालांकि उनका बेल पिटिशन ख़ारिज कर दिया गया.

हेमंत सोरेन ने तीन मई को हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया और चुनावों के लिए अंतरिम बेल की मांग की. मुख्यतया इन्हीं कारणों से सुप्रीम कोर्ट ने हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई नहीं की.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हेमंत सोरेन ने इन चीज़ों को लेकर स्पष्टवादिता नहीं दिखलाई है. पहला ये कि चार्जशीट का संज्ञान लिया जा चुका है और उन्होंने ज़मानत के लिए याचिका भी दायर की थी. बेंच ने कहा, ÷हमें आपके क्लाइंट से थोड़ी स्पष्टवादिता की उम्मीद थी. उन्हें हमें बताना चाहिए था कि ज़मानत याचिका दायर की गई है.÷

इस पर कपिल सिब्बल ने बेंच को बताया कि ये वकील की ग़लती थी न कि हेमंत सोरेन. लेकिन सुप्रीम कोर्ट इससे सहमत नहीं हुआ. अदालत ने कहा कि हेमंत सोरेन एक साथ एक से अधिक क़ानूनी विकल्पों का सहारा ले रहे थे.

कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने भी एक हालिया इलेक्शन कैम्पेन के दौरान अपने भाषण में जाति के मुद्दे का जक्रि किया.उन्होंने कहा, ÷दो चीफ मिनिस्टर अरेस्ट हुए, आदिवासी चीफ मिनिस्टर अभी भी अंदर है, अजीब बात है. आदिवासी चीफ मिनिस्टर पहले जेल गया, और आज तक नहीं निकला.÷

लीगल एक्सपर्ट अदालत के बताए कारणों से संतुष्ट नहीं हैं. सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस मदन लोकुर ने कहा, ÷सुप्रीम कोर्ट को हेमंत सोरेन की याचिका की सुनवाई करनी चाहिए थी. अगर और गिरफ़्तारी ग़ैरक़ानूनी थी तो उसके बाद उन्होंने जो किया हो (जैसे अलग-अलग कोर्ट के पास जाना) उससे फ़र्क़ नहीं पड़ना चाहिए.÷ सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े कहते हैं कि केजरीवाल की तरह हेमंत सोरेन को भी अंतरिम ज़मानत मिलनी चाहिए थी. उन्होंने कहा, ÷केजरीवाल को ज़मानत देने का मुख्य कारण था कि आप चुनावों के दौरान एक बड़े खिलाड़ी को बाहर रख कर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं करवा सकते. उस आदेश में भले ही ये साफ़ न लिखा गया हो लेकिन इसके संकेत मिलते हैं. इसी लॉजिक पर उन्हें हेमंत सोरेन को भी ज़मानत दे देनी चाहिए थी, फिर चाहे वो एक सप्ताह के लिए ही प्रचार कर पाते.÷ हेगड़े कहते हैं कि अलग बेंच ऐसे विषयों पर अलग मत प्रकट कर सकती है. वे कहते हैं, ÷यहां उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि चार्जशीट का संज्ञान तो ले लिया गया है लेकिन उसे (हेमंत सोरेन के द्वारा कोर्ट को) सार्वजनिक नहीं किया गया है. कई अन्य बेंच अंतरिम ज़मानत से इनकार करने के लिए ऐसा तकनीकी रास्ता नहीं अपनातीं.÷ आपराधिक मामलों की वकील शाहरुख़ आलम कहती हैं, ÷पंजाब एंड हरियाणा और कलकत्ता हाई कोर्ट ने केजरीवाल को मिली बेल की नज़ीर देते हुए लोगों को अंतरिम ज़मानत दी है.÷ मई में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने राज्य के पूर्व वन मंत्री साधु सिंह धर्मसोत को लोकसभा चुनावों में प्रचार के लिए बेल दी. धर्मसोत मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद थे. इसके अलावा कलकत्ता हाई कोर्ट ने उसी हाई कोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय के ख़िलाफ़ जांच को 14 जून तक स्थगित कर दिया. अदालत ने अरविंद केजरीवाल के मामले की नज़ीर देते हुए कहा कि चुनाव चल रहे हैं और गंगोपाध्याय इनमें उम्मीदावार हैं इसलिए तब तक उनके विरुद्ध जांच पर स्टे दिया जाता है. शाहरुख़ आलम कहती हैं, ÷इस हिसाब से देखें तो सोरेन को ज़मानत न देना आर्बिट्ररी है. अदालत उन्हें अंतरिम बेल दे सकती थी ताकि वो चुनाव प्रचार में हिस्सा ले सकें. उनकी गिरफ़्तारी गैर-कानूनी है या नहीं इस पर फ़ैसला बाद में हो सकता था. केजरीवाल के केस में भी गिरफ़्तारी की वैधता पर अभी फ़ैसला नहीं हुआ है. केजरीवाल का केस सोरेन के केस से कैसे अलग है इसका न्यायिक तर्क होना चाहिए.

अनमोल दावा

> इंसान का पतन उस समय शुरू हो जाता है जब वह अपनों को गिराने की सलाह गैरों से लेना शुरू कर देता है।

इजराइल- हमास युद्ध के बीच फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देने की घोषणा नए समीकरण के संकेत

नार्वे ने साफ कहा कि अरब शांति योजना के लिए फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देना जरूरी है। स्पेन और आयरलैंड ने भी इस कदम का उद्देश्य इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को द्वि-राष्ट्र समाधान के जरिए हल करने में मदद करना बताया है।

जिस दौर में इजराइल और हमास के बीच का संघर्ष अपने सबसे तीखे चरण में चल रहा है, उसमें तीन यूरोपीय देशों की ओर से फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देने की घोषणा अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से एक बेहद अहम घटनाक्रम है। माना जाता है कि चूंकि अमेरिका इजराइल के साथ आमतौर पर खड़ा दिखता है, इसलिए इसका असर यूरोप पर भी होता रहा है। यही वजह है कि ज्यादातर यूरोपीय देश फिलिस्तीन के खिलाफ इजराइल के आक्रामक रवैये के बावजूद या तो चुप रहने या फिर नरम रुख अख्तियार करने का रास्ता अपनाते हैं। ऐसे में स्पेन, नार्वे और आयरलैंड की ओर से फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देने की घोषणा निश्चित रूप से नए समीकरण खड़े कर सकता है। इस फैसले से इजराइल का परेशान होना स्वाभाविक है, क्योंकि फिलहाल उसे अंतरराष्ट्रीय समर्थन की जरूरत महसूस हो रही है। यही वजह है कि उसने इन तीनों देशों के रुख को आतंकवाद को पुरस्कृत करना बताते हुए वहां से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है।

इस मसले पर नार्वे ने साफ कहा कि अरब शांति योजना के लिए फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देना जरूरी है। स्पेन और आयरलैंड ने भी इस कदम का उद्देश्य इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को द्वि-राष्ट्र समाधान के जरिए हल करने में मदद करना बताया है। गौरतलब है कि इजराइल पर हमास के हमले के बाद वैश्विक स्तर पर इजराइल के प्रति सहानुभूति का रुख सामने आया था।

मगर उसके बाद इजराइल के बेलगाम हमले और उसमें पैंतीस हजार से ज्यादा फिलिस्तीनी आम लोगों के मारे जाने के बाद अब उसके प्रति समर्थन में तेजी से कमी आ रही है। ऐसे में इजराइल का पक्ष लेने के बजाय अगर स्पेन, नार्वे और आयरलैंड ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता देना तय किया है तो यह एक तरह से इजराइल के रवैये पर सवाल उठाना भी है।

हालांकि इससे वैश्विक स्तर पर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्वीकार किए जाने के मामले में फिलिस्तीन की राह के रोड़े खत्म नहीं हुए हैं, लेकिन इतना तय है कि स्पेन, नार्वे और आयरलैंड के ताजा रुख से यूरोप के कुछ अन्य देशों पर भी फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करने का दबाव बढ़ेगा।

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम-156 : राजा दशरथ द्वारा बैठक में विभिन्न राज्यों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

आज संध्या राजा दशरथ के निर्देश के अनुसार राज्य की सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें राजकुमार राम भी सम्मिलित हुए।

अयोध्या के सेनापति शौर्यसेन ने सर्वप्रथम राजा दशरथ को अयोध्या की सुरक्षा की दृष्टि से पड़ोसी राज्यों की स्थिति की जानकारी दी।उन्होंने अयोध्या से काशी,विदेह,मगध,शूरसेन,अवंति का से लेकर दंडकारण्य क्षेत्र और सुदूर दक्षिण के राज्यों की भौगोलिक स्थिति, वहां के शासकों और इन राज्यों तथा क्षेत्रों से सुरक्षा संबंधों को लेकर अपना विश्लेषण प्रस्तुत किया।

प्रमुख आसन पर राजा दशरथ विराजमान हैं। उनके एक ओर गुरु वशिष्ठ विराजमान हैं। दूसरी ओर मंत्री सुमंत बैठे हैं। गुरु वशिष्ठ के ठीक बगल में श्री राम का आसन है।श्री राम सावधानीपूर्वक राष्ट्र के मानचित्र का अध्ययन कर रहे हैं।

संपूर्ण स्थिति को समझने के बाद राजा दशरथ ने कहा कि उत्तर और मध्य के राज्यों से हमारे संबंध या तो मित्रतापूर्ण हैं, या उनसे कोई सीधी शत्रुता नहीं है। पश्चिमोत्तर में कैकेय, मद्र, सिवि, त्रिगर्त आदि से हमारा सीधा संपर्क कभी नहीं रहा। कैकेय तो हमारा मित्र राज्य है ही।

अपने अध्ययन के आधार पर श्री राम ने जानकारी दी कि पश्चिमी मध्यभारत में मालव और अवंती राज्य के दक्षिण में जनस्थान क्षेत्र से किंचित अशांति का समाचार प्राप्त हो रहा है।दक्षिण कोसल, रिक्ष पर्वत और विंध्य पर्वतमाला से घने वन क्षेत्र शुरू होते हैं और दक्षिण की ओर दंडकारण्य के गहन वनों में किसी भी राज्य का स्थाई नियंत्रण संभव नहीं है।विदर्भ के बाद दक्षिण के कुंतल, आंध्र, किष्किंधा आदि राज्यों के बारे में कभी-कभी ही समाचार प्राप्त हो पाते हैं। जिस तरह से गुरु विश्वामित्र के आश्रम के पास राक्षसों की उपस्थिति थी,उसको देखते हुए सर्वाधिक सावधानी इस तथ्य के लिए रखनी होगी कि राष्ट्र के मुख्य भूमि से लगे हुए सबसे बड़े द्वीपीय राज्य लंका से राक्षसों को उत्तर की ओर भेजा जा रहा है।

श्री राम के मुख पर अपूर्व तेज है।उनका धनुष उनके आसन से ही टिककर भूमि पर रखा हुआ है।उन्होंने पीत वस्त्र धारण किए हुए हैं।जब वे मानचित्र पर झुकते हुए कोई प्रश्न करते हैं तो बाएं हाथ में मोड़ कर लपेटा गया उनका केसरिया उत्तरीय लहरा उठता है।

राजा दशरथ बहुत देर तक इस समिति की कार्यवाही को देख रहे हैं और उनका ध्यान श्री राम की चेष्टाओं और मुखाकृति पर बराबर बना हुआ है।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है।संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है।उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए एक साधारण भक्त की अपनी कल्पनादृष्टि से रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -067

सू- दोकू क्र.067

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है। 2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है। 3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.066 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सामयिक चर्चा

कटाक्ष की एक उंगली तो तीन उंगलियां..?

खबर पढ़ कर
बानी बोले- ''गजाधर।
यह तो अब जग जाहिर है
कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी
विरोधियों को कटाक्ष करने में माहिर है।
मोदी जी ने पंजाब के मुख्यमंत्री
भगवन्त मान सिंह का नाम लिए बिना
उन्हें कागजी मुख्यमंत्री करार दिया।
और कहा कि उन्हें दिल्ली दरबार में
हाजिरी लगाने से फुर्सत नहीं।''
तभी गृहस्थ गिरधारी बोल उठे-
''मेरी हाजिर में, जिन्होंने भगवन्त जी को
मुख्यमंत्री पद का 'मान' दिया,
उनके प्रति सम्मान का भाव रखना है सही!''
बानी ने कहा-''गजाधर! अब आप कहिए,
आपकी आ गई बारी।''
गजाधर मुस्कराए, बोले- ''ठीक कहते हैं गिरधारी!
मेरा तो ऐसा कहना है बानी!
मोदी जी कटाक्ष तो बढ़िया कर जाते हैं।
पर उन्हें क्या इसका ध्यान है कि
उनके केबिनेट में भी, कई ऐसे मंत्री हैं,
जो बड़े सम्मान से अपने पी.एम की
''बात'' तो सुनते हैं।
पर अपनी बातें पीएम से
कह नहीं पाते हैं।
क्योंकि वे 'कहीं ऐसा न हो जाये!
कहीं वैसा न हो जाये!''
सोच-सोच कर रह जाते हैं।''

– गिरीश बख्शी

कविता

खून के रिश्ते

वक्त ही वक्त में सब कुछ जताता है,
अपनों के बीच कितना लगाव है
व्यवहार सब कुछ खुलकर बताता है,
एक समय में ऐसा लगता था,
एक दूसरे में जान बसता था,
जिंदगी में सब आगे बढ़ने लगे,
सब अपना भविष्य गढ़ने लगे,
पर परिस्थितियां सदा एक सा नहीं होता,
केवल हंसना भी साथ रहे जरूरी नहीं
समय आने पर दिख जाता है रोता,
जब अपने हमेशा के लिए छोड़कर जाते हैं,
सबको रह रह रूलाते है,
तब सबकी भावनाएं एक जैसी हो जाती है,
एक दूजे के अहित न होने की याद आती है,
उस दिन महसूस होता है कि
खून के रिश्ते झटकों से नहीं टूटते,
व्यवहार में भले नजर आए पर
बंधनों का जाल ऐसा होता है
जो हमेशा के लिए नहीं रूठते।

– राजेन्द्र लाहिरी पामगढ़ छ.ग.

राशिफल

मेष — आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। कोई बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। किसी मामले को आपको बातचीत और शांति से सुलझाने की कोशिश करना चाहिए। साथ ही आप संवेदनशील भी हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ अधिक-से-अधिक समय बितायेंगे। आज कुछ मामलों पर आप विचार कर सकते हैं।

वृषभ — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी कई योजनाएँ समय से पूरी हो जाएँगी। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी।

मिथुन — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है। आपके परिवार में सुख-सौभाग्य बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे।

कर्क — आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज रोज की अपेक्षा ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है। साथ ही बॉस आपकी परफॉरमेंस से खुश होकर आपको कोई अच्छा-सा गिफ्ट कर सकते हैं। संतान पक्ष से सुख प्राप्त होगा।

सिंह — आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। दूसरे लोग आपकी योजना से काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन बेहतरीन है। परिवार के लोग आपके लिए मददगार होंगे।

कन्या — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। सभी काम आपके मन- मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। कुछ मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं। संतान से कोई खास खुशखबरी मिल सकती है। आपको अपने वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

तुला — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात की संभावना है। निवेश के मामलें में आपको कोई नई सलाह मिल सकती है। आज लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी।

वृश्चिक — आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं। मिल कर किये गए कामों से आपको बहुत हद तक सफलता मिलने के योग है। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। कोई नई बात आप सीख सकते हैं। व्यापार में उचित लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

धनु — आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी जाने का प्लान बनायेंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी।

मकर — आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं। आपकी जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। माता-पिता का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

कुंभ — आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके दाम्पत्य रिश्ते मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको कई नये काम करने के मौके मिलेंगे। आप दूसरों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। परिवार में लाभ की स्थिति बनेगी।

मीन — आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही वो किसी काम में आपसे सलाह भी ले सकते हैं। आप लोगों की इच्छाएं समझने की कोशिश में लगे रहेंगे।

दिग्विजय कॉलेज में हो रही बी-लिब की पढ़ाई

० जिले के छात्रों को दूसरे शहर जाने की नहीं पड़ रही जरूरत
० प्रथम बेच के परीक्षा परिणाम आने के बाद.... मेरिट के आधार पर होगी दूसरे बेच की भर्ती

राजनांदगांव (दावा)। जिले के विद्यार्थियों को बी-लिव की पढ़ाई के लिए पहले दूसरे शहरों की ओर रूख करना पड़ता था। लेकिन जब से शहर के दिग्विजय कालेज में बी.लिव की पढ़ाई शुरू हुई है। जिले व आसपास के छात्रों को काफी राहत मिली है। दिग्विजय कालेज में पिछले वर्ष से शुरू हुई बी-लिव की पढ़ाई की पहले बेच के पहला समेस्टर इसी साल के जनवरी में हुआ था। आने वाले 6 जून को दूसरा सेमेस्टर होगा। बताया जा रहा है कि प्रथम बेच के परीक्षा परिणाम आने के बाद बी-लिव की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की मेरिट के आधार पर चयन होगा।

विद्यार्थियों की पंसद दिग्विजय कालेज

बता दे कि सर्व सुविधा युक्त दिग्विजय कालेज जिले के विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। यहां यूजी-पीजी की 5 हजार से अधिक सीटे है। कालेज में पहले से ही बीजेएमसी, बीसीए, पीजीडीसीए कोर्स संचालित है। वही गत वर्ष से बी.लिव की पढ़ाई शुरू होने से विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों की पढ़ाई के लिए दूसरे शहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही। दिग्विजय कालेज में बी-लिव की पढ़ाई के लिए पहले ही वर्ष शासन ने 50 सीट का स्वीकृति दी है। बी-लिव का कोर्स 2 वर्ष का होता है। बताते चले कि निजी संस्थानों में बी-लिव की पढ़ाई के लिए तकरीबन 60 से 70 हजार रूपए खर्च करने पड़ते है। लेकिन यहां सरकारी कालेज में 10 से 15 हजार रूपए में यह कोर्स किया जा सकता है। इसमें स्कालरशीप की भी पात्रता होती है।

बी-लिव में जॉब

बताते चले कि बी-लिव का आशय लाइब्रेरी साईंस से है। इसके कोर्स के अंतर्गत छात्रों को लाईब्रेरी और इन्फार्मेशन सिस्टम, मैनेजमेंट, कैटलाग, विवलियोग्राफी डाक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट संरक्षण आदि के बारे में बढ़ाया जाता है।

लाईब्रेरी सांइस के क्षेत्र में केरियर बनाने के लिए आवेदक को कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी होनी जरूरी है। क्योंकि आज कल सारी डेटा और रिकार्ड की जानकारी कम्प्यूटर पर ही रखे जाते है।

कालेजों के अलावा अन्य ग्रंथालयों में डिजीटल लाइब्रेरी पर जोर दिया जा रहा है। उनके लिए पद सृजित है। लाईब्रेरी में लाईब्रेरियन का पद लाईब्रेरी अटेंडेस, लाइब्रेरी असिस्टेंट जूनियर लाइब्रेरियन जैसे पदो पर ट्रेंड प्रोफेसनल की आवश्यकता होती है। बी.लिव किए हुए प्रोफेशनल सरकारी और सार्वजनिक लाइब्रेरी, शिक्षण संस्थानों न्यूज एजेंसियों, निजी संस्थाओं, फिल्म लाइब्रेरी, डाक्यूमेंशन सेन्टर म्यूजियम या गैलरी आदि में जाब कर सकते है।

स्नातक उत्तीर्ण ही ले सकेंगे प्रवेश

दिग्विजय कालेज के रजिस्ट्रार दीपक परगनिहा ने बताया कि बी-लिव में केवल स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी ही प्रवेश ले सकते है। कालेज में शासन ने 50 सीट की स्वीकृति दी है। नए शिक्षा सत्र में विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकते है। मेरिट के आधार पर उनका चयन होगा। बहरहाल देखा जाए तो कक्षा 12वीं का परिणाम आने के बाद कालेज में प्रवेश लेने और विषयों के चयन के लिए विद्यार्थियों में भाग दौड़ शुरू हो गई है। दिग्विजय कालेज में बी.लिव की पढ़ाई के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते है। बशर्ते उनका स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कवर्धा हादसे में मृतक के परिवारजनों से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और विधायकगण

परिवार को ढांढस बंधाया और दी मृतकों को श्रद्धांजलि

खैरागढ़ (दावा)। तेंदूपत्ता तोड़कर लौट रहे कवर्धा जिले के किकदुर थाना क्षेत्र के ग्राम बाहपानी में 20 मई सोमवार को हुए हृदय विदारक सड़क हादसा में 19 लोगों की मौत की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। जानकारी के मुताबिक सभी सेम्हरा गांव के रहने वाले थे, जो तेंदूपत्ता तोड़कर पिकअप से दोपहर में वापस आ रहे थे। सड़क हादसे की खबर सुनकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित समिति के समस्त सदस्य मृतकों के गांव पहुंचकर ग्राम बाहपानी में भीषण सड़क दुर्घटना में मृत तेंदूपत्ता श्रमिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। जिसमें छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, विधायकगण खैरागढ़ विधायक यशोदा निलाम्बर वर्मा, खुज्जी विधायक भोलाराम साहू, डोंगरगड़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू उपस्थित रहे। ''विपदा की इस घड़ी में हम सबकी पूरी संवेदना पीड़ित परिवारों के साथ है- यशोदा नीलांबर वर्मा'' खैरागढ़ विधायक यशोदा निलाम्बर वर्मा ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इस दुर्घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति खैरागढ़ विधायक ने संवेदनाएं प्रकट की।साथ ही खैरागढ़ विधायक ने मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष पदम कोठरी, नरेंद्र सेन सहित अन्य उपस्थित रहे। ''तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे मजदूर जंगल, लौटते समय हुआ सड़क हादसा,19 की मौके पर ही मौत'' सोमवार 20 मई को कवर्धा के सेम्हरा गांव के मजदूर हमेशा की तरह तेन्दुपत्ता तोड़ने जंगल गए थे। जंगल से तेंदूपत्ता तोड़कर वापिस पिकअप गाड़ी में सवार होकर गाँव वापस आ रहे थे। तेज रफ्तार पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें 25 लोग सवार थे, 19 लोगो की मौत हो गई, वही 6 अन्य घायलों का इलाज अभी भी जारी है।

पहला कॉलम...

बच्चों ने पुतरा पुतरी की कराई शादी रस्म निभाई

हरदी (दावा)। ग्राम पिनकापार के स्कूल पारा मोहल्ले में शादी की रस्म को लेकर रीति-रिवाज के साथ पूर्णिमा के दिन गुरुवार को पुतरा पूतरी का विवाह बच्चों एवं महिलाओं ने रचाया। मंडप एवं माइक लगाकर शादी की चुलमाटी एवं तेल हल्दी की रस्म निभाई गई। बाजे गाजे के साथ मायन नाचा भी किया गया। एक दूसरे को हल्दी लगाकर उत्साह का माहौल बना रहा पुतरा पुतरी को सजाकर बारात निकली गई। रात्रि में सभी मोहल्लेवासी एक साथ खीर, पुरी, बड़ा के साथ भोजन ग्रहण किया।

अंचल में धूमधाम से मनाया गया बुद्ध पूर्णिमा

सामाजिक युवाओं में रहा उत्साह का माहौल

जोंधरा (दावा)। स्थानीय बौद्ध समाज द्वारा दर्री, बेंदरकटा एवं आसपास के ग्रामो में बुद्ध पूर्णिमा के पर्व को अंचल में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम दर्री के सामाजिक जनो ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा में माल्यार्पण कर विधिवत पूजन कर ग्राम में रैली निकालकर जयकारे लगाते हुए तथागत भगवान को याद किया साथ ही जगह जगह शीतल पेय जल की व्यवस्था स्टाल लगाकर की गयी। इसी कड़ी में ग्राम खुज्जी के संदीप आटो पार्ट्स के संचालक संदीप घोडेसवार सहित भीम आर्मी मोर्चा ग्राम दर्री के युवाओं के द्वारा स्टाल लगाकर ठंडे शरबत का वितरण किया गया। रात्रि में भगवान बुद्ध के उपासको के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात प्रसाद वितरण कर भोजन भंडारा का भी आयोजन किया गया।

बौद्ध समाज ने भगवान बुद्ध को नमन कर धूमधाम से मनाई जयंती

डोंगरगढ़ (दावा)। आदर्श बौद्ध महासभा नागसेन बुद्ध विहार के नेतत्व में बौद्ध समाज के द्वारा भगवान बुद्ध की 2568 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। बुद्ध जयंती के अवसर पर बुद्ध विहार में झंडा वंदन एवं भंते नागरत्न के द्वारा परित्राण पाठ पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। तहसील कार्यालय में स्थित डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतीमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक गण उपस्थित रहे।

रिश्वत लेते एएसआई कैमरे में कैद, एसपी ने किया निलंबित

धमतरी (दावा)। पुलिस पर अक्सर छोटे बड़े कामों के लिए रिश्वत मांगने के आरोप लगते रहते हैं, लेकिन धमतरी में एक एएसआई रिश्वत लेते कैमरे में कैद हो गया। एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने मामले को संज्ञान में लेते हुए एएसआई को निलंबित कर दिया है।

दरअसल धमतरी सिटी कोतवाली में एक मारपीट के मामले में यह सारी लेनदेन की बात सामने आई है। मारपीट के आरोपी को मुचलके पर छोड़ने की बात में एएसआई ने पैसों की मांग की थी। यह लेन-देन साढ़े चार हजार रुपए में सेट हुआ था। पैसे देने वाले पक्ष ने खुद इस लेन-देन का वीडियो बनवाया और इस पूरे मामले की शिकायत धमतरी एसपी आंजनेय वार्ष्णेय से की। प्रमाण के तौर पर वीडियो भी दिया गया है।

धमतरी एसपी ने मामले को संज्ञान में लिया। बताया जा रहा है कि एएसआई रमेश साहू को फौरन ही निलंबित किया गया है। आने वाले दिनों में उनके खिलाफ विभागीय जांच की भी तैयारी की जा रही है।

अंकित गर्ग समाज सेवक संघ के दुर्ग संभाग के अध्यक्ष बने

प्रकाश यादव, सिंगारपुर-गोपालपुर-फत्तेपुर गांवों के अध्यक्ष

राजनांदगांव (दावा)। सामाज सेवक संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज सेविका सिविल ईंजी. कु. स्वाति देवांगन ने खैरागढ़ निवासी समाज सेवी अमित गर्ग को दुर्ग संभाग के अध्यक्ष एवं प्रकाश यादव को सिंगारपुर-गोपालपुर-फत्तेपुर गांवों का अध्यक्ष नियुक्त किया है। दुर्ग संभाग के नव-नियुक्त अध्यक्ष अंकित गर्ग, खैरागढ़ के युवा व्यवसायी हैं। श्री गर्ग अग्रवाल समाज एवं भाजपा के युवा मोर्चा के भी पदाधिकारी हैं। खैरागढ़ के सभी लोग उनसे एवं उनकी सामाजिक गतिविधियों से परिचित हैं।

अंकित एवं प्रकाश की नियुक्ति पर उन्हें राजनांदगांव की नगर अध्यक्ष कु. रेवती साहू, मुंदगांव की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती वर्मा, नवांगांव मुड़ीपार के अध्यक्ष अमित पटेल, अश्विनि पटेल, सुरगी के अध्यक्ष तामेश्वर साहू, कोटरासरार की अध्यक्ष ममता मैथिल, अमलीडीह के अध्यक्ष गिरीश साहू, इंदामरा की अध्यक्ष कु. रूपा कंवर, डोंगरगांव की अध्यक्ष कु. रोहिणी पटेल, सिंघोला की अध्यक्ष कु. पायल यादव, ककरेल के अध्यक्ष महेन्द्र बघेल, रीवागहन के अध्यक्ष मोतीलाल रावटे, घोरदा के अध्यक्ष मनोज भट्टाचार्य, तुमड़ीलेवा की अध्यक्ष बबीता लहरे, फरहद (सोमनी) के अध्यक्ष विजय निषाद, पारींकला के अध्यक्ष आकाश यादव, भाठागांव के अध्यक्ष दिनेश पटेल, के.सी.जी. जिले के अध्यक्ष खुलेन्द्र साहू, बोरी के अध्यक्ष चंद्रहास देवांगन, गतुला के अध्यक्ष हर्ष साहू, चवेली की अध्यक्ष यमला साहू, पदुमतरा की अध्यक्ष कु. चंचल साहू, तिलई के अध्यक्ष भूषण लाल देवांगन, परसाडीह (सुरेगांव) के अध्यक्ष अजय श्रीवास, डोगरगांव के अध्यक्ष ओमकार कंवर, जेवरतला की अध्यक्ष हेमलता ठाकुर, खपरीखुर्द के अध्यक्ष शिवानंद महोबिया आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संविदा कर्मियों को अब सीधे सरकार से मिलेगा वेतन!

रायपुर। पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश भर में शुरू किए गए स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संविदा कर्मियों के लिए काम की खबर है।

दरअसल खबर आ रही है कि स्वामी आत्मानंद स्कूल में संविदा से कार्यरत कर्मियों को अब सरकार से ही उनका वेतन मिलेगा। इसके अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय वेतन देगा। संचालनालय ने जिला शिक्षा अधिकारियों और सचिव को इस संबंध में निर्देश जारी किया है।

प्रज्ञागिरी तीर्थ में परित्राण पाठ और सामूहिक वंदना कर मनाई गई बुद्ध जयंती

डोंगरगढ़ (दावा)। प्रजागिरी तीर्थ क्षेत्र में भगवान बुद्ध की 30 फीट प्रतिमा के समक्ष ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मोमबत्ती प्रज्वालित कर पुष्प अर्पित किया। धम्म गुरु भत कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में परित्राण पाठ कर सामूहिक वंदना की गई। धम्म गुरु ने कहा कि बौद्ध धर्म का जन्म भारत से ही हुआ है और धीरे-धीरे पूरे विश्व में फैल गया। बुद्ध के विचारों को उनके दिए गए मार्ग का अनुशरण जिन-जिन देशों ने किया, वहां शांति स्थापित हुई।

भारत सहित अन्य देशों में बुद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार का श्रेय सम्राट अशोक को जाता है। जिन्होंने अपना जीवन भगवान बुद्ध के दिखाए मार्ग का अनुसरण करने में लगा दिया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद खांडेकर, उपाध्यक्ष धीरज मेश्राम, सचिव शैलेन्द्र डोंगरे, कोषाध्यक्ष सुरेश सहारे, माता गणवीर, संतोष लांजेवार, आशीष डोंगरे, विनायक मेश्राम, शुभम खोबरागड़े, संजय डोंगरे, जितेंद्र वालदे, मयंक डोंगरे, धम्म कृति नंदेश्वर सहित अन्य उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया समर कैम्प का अवलोकन

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के शासकीय शालाओं में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल के निर्देशन में समर कैम्प के लिए स्कूलों में अच्छी व्यवस्थाएं की गई है।

जहां बच्चे बड़े उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता श्रीमती रश्मि सिंह एवं समग्र शिक्षा सहायक परियोजना समन्वयक मनोज मरकाम द्वारा सर्वेश्वरदास आत्मानंद स्कूल, स्टेट स्कूल एवं आत्मानंद स्कूल सुकुलदैहान में आयोजित समर कैंप का अवलोकन किया गया। जहां पर बच्चों द्वारा शिक्षकों के सहयोग से अलग-अलग गतिविधियां की गई।

समर कैम्प में बच्चे योग सीख रहे हैं और बच्चे क्रिकेट खेलना, मेहंदी लगाना सीख रहे हैं। इसके साथ ही बच्चों ने स्थानीय खेलों के माध्यम से भी समर कैम्प का आनंद लिया और बच्चों में काफी उत्साह भी समर कैम्प को लेकर देखा गया।

इसी कड़ी में जिले के समग्र शिक्षा के एडीपीओ पीआर झाडे एवं सहायक परियोजना समन्वयक एमआर अंसारी द्वारा डोंगरगढ़ विकासखंड में समर कैंप का जायजा लिया गया। जहां उनके द्वारा कंडारापारा डोंगरगढ़ एवं मोरकुटुंब छुरिया के स्कूलों का अवलोकन किया गया।

जिसमें शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने समर कैम्प के इस बेहतर आयोजन की सराहना की। बच्चों द्वारा किये जा रहे अलग-अलग गतिविधियों का अवलोकन किया गया और बच्चों एवं शिक्षकों को प्रोत्साहित किया गया।

ग्राम बिहरीकला में बुद्ध जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

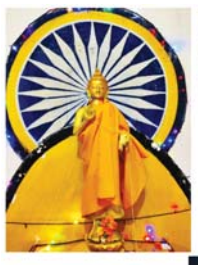

धम्म चक्र बौद्ध विहार बिहरीकला

अंबागढ़ चौकी (दावा)। भारतीय बौद्ध महासभा ग्राम बिहारीकला के तत्वाधान में धम्म चक्र बौद्ध विहार समिति व बौद्ध उपासक व उपाशिकाओ की उपस्थिति में बुद्ध जयंती बड़े ही धूमधाम से बनाई गई सर्वप्रथम समाज के अध्यक्ष हमीर लाल मेश्राम पंचशील झंडे का ध्वजारोहण किया तत्पश्चात समाज के उपासक , उपाशिकाओं द्वारा पूजा हाल में सामूहिक त्रिशरण पंचशील वंदना की गई। कार्यक्रम डॉक्टर टीकाराम बोरकर ने तथागत बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डालते हुए त्रिगुणी वैशाख पूर्णिमा के महत्व को समझाते इसी दिन राजकुमार सिद्धार्थ का कपिलवस्तु लुम्बनी पे जन्म हुआ व इसी दिन उरुवेला पे बोधी वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त हुआ व इसी दिन तथागत भगवान गौतम बुद्ध कुशीनगर में महापरिनिर्वाण हुआ तीनों घटनाओं के कारण वैशाख पूर्णिमा को त्रिगुणी पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। विश्व कल्याण के प्रणेता शांति के अग्रदूत स्वतंत्रता क्षमता वह भाईचारा यही है बुद्ध धम्म का नारा के साथ संध्याकालीन समारोह में परित्राण पाठ कर शांति का संदेश देते हुए मोमबत्ती रैली ग्राम में भ्रमण कर प्रसाद वितरण व भोजन का कार्यक्रम के साथ समारोह की समाप्ति की गई। समारोह में उपासक उपासिका उपस्थित रहे पन्नालाल मेश्राम, शगन सोनटेके, धरमपाल मेश्राम, संजय मेश्राम, योगेंद्र रामटेक, भूषण गायकवाड, मनराखन बोरकर, विशाल बोरकर, तुषार मेश्राम, आशीष मेश्राम, सुभम घरड़े, महेन्द्र रामटेके, माधुरी रामटेक, कांता मेश्राम, सरला सेन्डे, रंजना गायकवाड, तारा मेश्राम, संध्या बोरकर, यमला दामले, जानबाई मेश्राम, शांता सावलकर, दशरथ मेश्राम, धीरज रामटेके, मयंक बारसागड़े, चिराग बोरकर, एवं समस्त बौद्ध समाज उपस्थित रहें।

डॉ. प्रवीण व डॉ. प्रणव जैन की माताजी का हुआ त्वचा व नेत्रदान दान

दुर्ग (दावा)। अंचल के प्रतिष्ठित डॉक्टर डॉ.प्रवीण जैन व डॉ.प्रणव जैन की माताजी ओल्ड नेहरू नगर भिलाई निवासी श्रीमती राजकुमारी जैन (81 वर्ष) के निधन के पश्चात परिवार द्वारा उनके त्वचा दान करने से बहुत से लोगों को लाभ होगा व नेत्रदान से दो लोगों को नई रौशनी मिलेगी। श्रीमती राजकुमारी जैन निधन से परिवार में गहरा शोक छा गया और इस कठिन परिस्थिति में श्रीमती राजकुमारी जैन के पुत्र डॉ. प्रवीण जैन, डॉ प्रणव जैन, पुत्री प्रतिभा जैन, प्रीति जैन, बहु नीलम व स्वाति ने त्वचा दान व नेत्रदान का निर्णय लिया। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, मोहित अग्रवाल, हरमन दुलाई, रितेश जैन, प्रभुदयाल उजाला, सुरेश जैन पूरे समय डॉ.जैन के निवास पर उपस्थित रहे एवं त्वचा व नेत्रदान दान प्रक्रिया सम्पन्न करने में सहयोग किया।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ. हर्षिका जैन, डॉ. नेत्र सहायक विवेक कसार ने कॉर्निया कलेक्ट किये सेक्टर-9 जेएलएन हॉस्पिटल के डॉ. उदय कुमार, डॉ. अनिरुद्ध मेने, डॉ. राहुल सिंगरौल सुनीता, रश्मि, विनीत, मंजू ने त्वचा एकत्र की डॉ. प्रवीण जैन ने कहा कि एक डॉक्टर होने के कारण उन्हें पता है त्वचा दान व नेत्रदान का क्या महत्व है, अंचल का सबसे अच्छा बर्न यूनिट सेक्टर-9 हॉस्पिटल है, जहां स्कीन की बहुत जरुरत है। अब लोगों को त्वचा दान हेतु भी जागरूक होने की जरुरत है। जिसमें नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और आज माँ की मृत्यु के बाद उनकी आँखों से दो लोगों को नेत्र ज्योति मिलेगी एवं उनके परिवार को मां के नहीं रहने की कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी किन्तु माँ हमेशा समाज व परिवार को प्रेरणा देती रहेगी।

राज आढ़तिया ने कहा हमारी संस्था के सदस्यों के प्रयासों से लोगों में नेत्रदान हेतु जागरूकता बढ़ी है, अब हम त्वचा दान हेतु लोगों को जागरूक कर रहे हैं जिसके सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं और त्वचादान हेतु लोग स्वतः आगे आ रहे हैं। कुलवंत भाटिया ने कहा डॉ.प्रवीण जैन व डॉ.प्रणव जैन अंचल में प्रतिष्ठित हैं अतः जैन परिवार के त्वचा व नेत्रदान से जागरूकता बढ़ेगी। डॉ.अनिल जैन व डॉ.अजय गोवर्धन लगातार हमें त्वचा व नेत्रदान हेतु सहयोग कर रहे हैं भविष्य में इसका लाभ जरूरतमंद लोगों को मिलेगा। नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से अनिल बल्लेवार, कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, प्रवीण तिवारी, मुकेश आढ़तिया, हरमन दुलई, रितेश जैन, जितेंद्र हासवानी, मंगल अग्रवाल, किरण भंडारी, उज्जवल पींचा, सत्येंद्र राजपूत, सुरेश जैन, राजेश पारख, पीयूष मालवीय, दीपक बंसल, विकास जायसवाल, मुकेश राठी, प्रभु दयाल उजाला, प्रमोद बाघ, सपन जैन, यतीन्द्र चावड़ा, जितेंद्र कारिया, बंसी अग्रवाल, अभिजीत पारख, मोहित अग्रवाल, चेतन जैन, दयाराम टांक ने श्रीमती राजकुमारी जैन को श्रद्धांजलि दी व जैन परिवार को साधुवाद दिया।

अमलीड़ीहकला में छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए समर कैंप लगा

खैरागढ़(दावा)। खैरागढ़ विकासखंड के मिडिल स्कूल अमलीड़ीह कला सहित ब्लाक के स्कूल में छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए समर कैंप लगा। जिला शिक्षा अधिकारी लालजी द्विवेदी, बीईओ नीलम राजपूत के निर्देशन में विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ाने के लिए सोमवार 20 मई से शुक्रवार 31 मई तक समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस समर कैंप में बच्चों को डांस एंड म्यूजिक, आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली और पेंटिंग, खेलकूद, वैदिक मैथ्स, मेंहदी, रंगोली, योग आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को बीआरसी सुजीत चौहान ने समर कैंप और विद्यालय का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने समर कैंप में मौजूद बच्चों से बातचीत की और उनके क्रियाकलापों को देखा। उन्होंने शिक्षकों से भी बातचीत की और यह उम्मीद जताई कि अमलीडीह कला सहित जिले में ही नहीं छत्तीसगढ़ राज्य में यह समर कैंप सर्वश्रेष्ठ साबित होगा। इस दौरान विद्यालय के प्रधान पाठक रूपेश कुमार देवांगन, संकुल समन्वयक हेमंत वर्मा सरस्वती वर्मा सहित समस्त शिक्षक मौजूद रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 36 रनों से हराया, शाहबाज ने झटके तीन विकेट

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद ने शाहबाज अहमद की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स को हराकर आईपीएल 2024 सीजन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। हैदराबाद की टीम इससे पहले 2018 सीजन के खिताबी मुकाबले में पहुंची थी जहां उसे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद की टीम ने 2018 के बाद कभी खिताबी मैच में प्रवेश नहीं किया था और अब छह साल बाद वह फाइनल खेलने उतरेगी।

हैदराबाद का मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा जिसने क्वालिफायर-1 में सनराइजर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले

हैदराबाद तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में

गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन हैदराबाद ने खराब शुरुआत से उबरते हुए हेनरिच क्लासेन के 34 गेंदों पर 50 रन की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में नौ विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में ध्रुव जुरैल ने अर्धशतक जड़कर टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन जरूरी रन रेट इतना ज्यादा था कि जुरैल की कोशिश भी काम नहीं आ सकी। राजस्थान ने 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन बनाए। हैदराबाद के लिए इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे स्पिनर शाहबाज अहमद ने बेहतरीन गेंदबाजी की। शाहबाज ने तीन विकेट लिए और राजस्थान की पारी लड़खड़ा दी। राजस्थान की आईपीएल प्लेऑफ में छठी हार

राजस्थान की टीम की यह आईपीएल प्लेऑफ में 11 मैचों में छठी हार है। आईपीएल प्लेऑफ में सर्वाधिक मैच हारने वाली राजस्थान छठी टीम है। प्लेऑफ में सर्वाधिक मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड आरसीबी के नाम है जो 16 मैचों में 10 मुकाबले गंवा चुकी है, जबकि दूसरे स्थान पर सीएसके की टीम है जिसने 26 प्लेऑफ मैचों में नौ मैच गंवाए हैं।

दूसरी ओर, हैदराबाद की टीम तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में पहुंचने में सफल रही। हैदराबाद की टीम सबसे पहले 2016 में खिताबी मुकाबले में पहुंची थी, उस वक्त टीम ने खिताब अपने नाम किया था। यशस्वी ने दिलाई सधी हुई शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान को यशस्वी जायसवाल और टॉम कोहलेर कैडमोर ने सधी हुई शुरुआत दिलाई, लेकिन हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कैडमोर को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। कैडमोर 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद यशस्वी ने हाथ खोले और तेजी से रन बनाना शुरू किया। यशस्वी अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे कि तभी शाहबाज ने उन्हें आउट कर दिया। यशस्वी 21 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए।

पहला कॉलम...

सोने-चांदी की कीमत में आई गिरावट

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोना 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सोने में लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 74,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ, चांदी की कीमत भी 2,500 रुपये औंधे मुंह लुढ़कते हुए 92,600 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 95,100 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, फेडरल रिजर्व की बैठक के ब्योरे में आक्रामक रुख दिखने के बाद सोने में तेज गिरावट आई। ब्योरे से संकेत मिलता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारी ब्याज दरों में कटौती करने की जल्दी में नहीं हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, च्विदेशी बाजारों से मंदी के संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 1,050 रुपये की गिरावट के साथ 73,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही हैं।

इमरान खान के पार्टी कार्यालय पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली। कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद पार्टी के अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध इमरान खान पार्टी ने शुरू किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार राजनीतिक पार्टी कार्यालय के गरिमा का उल्लंघन कर रही है। बृहस्पतिवार को अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए सीडीए की अतिक्रमण विरोधी टीम ने अभियान चलाया। पीटीआई के मुख्यालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन के साथ अतिक्रमण विरोधी टीम ने पीटीआई मुख्यालय को सील कर दिया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के केंद्रीय सचिवालय के एक हिस्से को ध्वस्त कर दिया है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने मौजूदा सरकार को खूब खरी-खोटी सुनाई। बता दें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी जेल में हैं। पीटीआई के अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली ने कहा कि सीडीए के पास इस ऑपरेशन का कोई परमिट नहीं था। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में कोई नोटिस तक नहीं भेजा।

शेयर बाजार : सेंसेक्स में बंपर उछाल, निफ्टी ने फिर बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। लोकसभा चुनाव के बीच जहां देश में सियासी पारा हाई है वहीं दूसरी तरफ शेयर बाजार भी रोजाना नई ऊंचाइयां छू रहा है. निफ्टी और सेसेंक्स लगातार ऑल टाइम हाई के स्तर को क्रॉस कर रहे हैं. शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी दिन स्टॉक मार्केट ने खुलते ही निवेशकों को चेहरे पर मुस्कान ला दी. निफ्टी ने जहां 23000 का आंकड़ा क्रॉस कर दिया वहीं सेंसेक्स भी 75500 के स्तर के पार पहुंच गया. खास बात यह है कि यह सबकुछ मार्केट ओपन होने के 15 मिनट के अंदर ही हुआ. शेयर मार्केट में रिकॉर्ड ऊंचाई आने की सबसे बड़ी कुछ शेयरों को दी जा सकती है. इनमें प्रमुख रूप से बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, विप्रो, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक जैसे शेयर शामिल हैं. वैसे तो मार्केट की शुरुआत लाल निशान यानी गिरने के साथ हुई थी, जिससे निवेशकों को चिंता था कि आज शेयर बाजार क्या रुख अपनाएगा. सेंसेक्स 82.59 पॉइंट नीचे करीब 75335 के स्तर पर तो निफ्ट 36.9 अंकों की कमजोरी के साथ 22930 पर कारोबार कर रहा था. लेकिन देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में बाजार ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि निवेशकों की बल्ले-बल्ले हो गई. सेंसेक्स में 1200 अंकों का उछाल दिखा और यह 75400 का आंकड़ा पार कर गया.

बीसीसीआई ने पोटिंग-लैंगर को इंडिया के हेड कोच बनाने की खबर को बताया अफवाह

नई दिल्ली। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 1 जून से लेकर 29 जून तक यूएसए और वेस्टइंडीज में खेला जाना है. टी20 वर्ल्ड कप के साथ ही टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने जा रहा है. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने नए कोच के लिए आवेदन भी मंगाए हैं. राहुल द्रविड़ भी आवेदन करने के पात्र हैं, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार वह इस भूमिका के लिए दोबारा आवेदन नहीं करेंगे. उन्होंने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि वह टीम के हेड कोच के रूप में अपने कार्यकाल को अब और आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं.इसी बीच मीडिया में ऐसी खबरें चल रही थीं कि बीसीसीआई ने नए कोच को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर से संपर्क किया था. हालांकि ये खबरें अफवाह निकलीं. बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ कर दिया है कि बोर्ड ने किसी भी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर से संपर्क नहीं किया है.

अफरीदी भी बने टी20 वर्ल्ड कप के टूर्नामेंट एम्बेसडर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 का 1 जून से आगाज हो रहा है. इसको लेकर सभी टीमों ने तैयारी पूरी कर ली है. टीम इंडिया जल्द ही इसके लिए यूएसए रवाना होगी. इस बीच आईसीसी ने एक अहम जानकारी शेयर की है. आईसीसी ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी को टूर्नामेंट का एम्बेसडर बनाया है. अफरीदी से पहले युवराज सिंह के नाम की घोषणा भी की जा चुकी है. युवी के साथ-साथ क्रिस गेल और उसैन बोल्ड भी इस लिस्ट में शामिल हैं.

शाहिद अफरीदी पाकिस्तान के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं. वे टी20 विश्व कप 2007 के दौरान पाकिस्तान की टीम का हिस्सा थे. अफरीदी ने टूर्नामेंट का एम्बेसडर बनने के बाद कहा, टी20 वर्ल्डकप मेरे दिल के काफी करीब है. मैं पहले एडिशन में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बना और इसके बाद 2009 में खिताब भी जीता. यह सब मेरे करियर के यादगार पल हैं. मैं भारत और पाकिस्तान के बीच 9 जून को होने वाले मैच को लेकर काफी उत्साहित हूं. मुझे इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है.

टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह को भी टूर्नामेंट का एम्बेसडर बनाया गया है. युवी का करियर शानदार रहा है. उन्होंने वर्ल्डकप के दौरान यादगार प्रदर्शन किया है.

ब्रैंडन किंग के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज के पहले मैच में हरा दिया है. जमैका के किंगस्टन में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 28 रनों से जीत दर्ज की. उसके लिए ब्रैंडन किंग ने कप्तानी पारी खेली. किंग ने 45 गेंदों का सामना करते हुए 79 रन बनाए. वहीं बॉलिंग में गुडाकेश मोती और मैथ्यू फोर्ड ने कमाल दिखाया. इन दोनों को तीन-तीन विकेट मिले. दक्षिण अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने ताबड़तोड़ बैटिंग की. हालांकि वे टीम को जीत नहीं दिला पाए.

वेस्टइंडीज ने 28 रनों से रौंदा

दरअसल वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीत तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज का पहला मैच लोकल टाइम के मुताबिक गुरुवार को खेला गया. वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के सभी टी20 मुकाबले जमैका के किंग्सटन में ही आयोजित होंगे.

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज टीम के लिए किंग और जॉनसन चार्ल्स ओपनिंग करने आए. इस दौरान किंग ने 45 गेंदों का सामना करते हुए 79 रन बनाए. उन्होंने 6 चौके और 6 छक्के लगाए. लेकिन दूसरे छोर पर चार्ल्स कुछ खास नहीं कर पाए. वे महज 1 रन बनाकर आउट हो गए. काइल मेयर्स ने 34 रनों की अहम पारी खेली. रोस्टन चेज ने नाबाद 32 रन बनाए. इनके अलावा कोई बैटर कुछ खास नहीं कर सका. वेस्टइंडीज ने इस तरह 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान के साथ 175 रन बनाए.

वेस्टइंडीज के दिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 147 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. उसके लिए रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डीकॉक ओपनिंग करने आए. डीकॉक 4 रन बनाकर आउट हो गए. वहीं हेंड्रिक्स ने ताबड़तोड़ बैटिंग की. उन्होंने 51 गेंदों में 87 रन बनाए. मैथ्यू ब्रीजके ने 19 रनों की पारी खेली. कप्तान रासी वान डेर डुसेन 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे.

मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु, चीन की हान यू को आसानी से हराया

नई दिल्ली। ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने ब्रेक के बाद शानदार वापसी का नजारा पेश किया. इस भारतीय दिग्गज ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीन की हान यू को 21-13, 14-21 और 21-12 से हराया. वहीं, इस जीत के बाद पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गई है. दरअसल, इससे पहले पीवी सिंधु उबेर कप और थाईलैंड ओपन में नहीं खेली थी. इस खिलाड़ी ने आखिरी बार खिताब 2022 सिंगापुर ओपन में अपने नाम किया था. मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को पांचवी वरीयता मिली है.

हान यू के खिलाफ शुरूआत से ही पीवी सिंधु का दबदबा देखने को मिला. पीवी सिंधु ने पहले गेम में चीनी खिलाड़ी को आसानी से 21-13 से हरा दिया. हालांकि, इसके बाद दूसरे गेम में हान यू ने दमदार वापसी की. इस गेम में हान यू ने पीवी सिंधु को 21-14 से करारी शिकस्त दी. लेकिन तीसरे गेम में भारतीय दिग्गज ने आक्रामक रूख अपनाया. इस गेम में पीवी सिंधु ने हान यू को 21-12 से हरा दिया. बहरहाल, इस जीत के बाद पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं हैं.

बताते चलें कि इससे पहले पीवी सिंधु ने प्री क्वार्टर फाइनल में वर्ल्ड रैंकिंग में 34वें नंबर पर काबिज खिलाड़ी कोरिया की यू जिन सिम को हराया था. पीवी सिंधु ने तकरीबन 59 मिनट तक चले मुकाबले में यू जिन सिम को 21-13, 12-21, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था. जबकि भारतीय दिग्गज ने बुधवार को पहले राउंड में स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को सीधे गेम में हराया था. इस मैच में पीवी सिंधु ने क्रिस्टी गिलमोर को 21-17, 21-16 से आसानी मात दी थी.

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन ने मचाई तबाही, 100 से अधिक लोगों की गई जान; हुआ भारी नुकसान

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प (एबीसी) ने बताया कि सुदूर पापुआ न्यू गिनी में शुक्रवार को हुए भूस्खलन में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका है। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, भूस्खलन की घटना कथित तौर पर दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश की राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से लगभग 600 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में एंगा प्रांत के काओकलाम गांव में घटी। यह हादसा स्थानीय समय के अनुसार तड़के 3 बजे करीब हुआ। इलाके के निवासियों का कहना है कि मृतकों की संख्या 100 से अधिक भी हो सकती है। हालांकि अधिकारियों ने इस आंकड़े की पुष्टि नहीं की है।

भूस्खलन की चपेट में आने से कई गांव के कई घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। राहत और बचावकर्मी यहां लोगों को निकालने का काम कर रहे हैं। कई शवों को निकाला जा चुका है। स्थानीय लोग भूस्खलन के बाद दबे हुए शवों को बाहर निकालने में राहत और बचाव कर्मियों की मदद कर रहे हैं।

पापुआ न्यू गिनी की सरकार और पुलिस ने इस घटना पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। पापुआ न्यू गिनी एक विविधतापूर्ण विकासशील देश है, जहां 800 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं। यहां अधिकतर लोग खेती करके अपनी आजीविका कमाते हैं। पापुआ न्यू गिनी की जनसंख्या 1 करोड़ है। यह ऑस्ट्रेलिया के बाद सबसे अधिक आबादी वाला दक्षिण प्रशांत देश है। ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या 2 करोड़ 70 लाख है।

भूस्खलन से पहले पापुआ न्यू गिनी भूकंप के झटके भी महसूस किए गए थे। भूकंप फिन्सचाफेन से 39 किलोमीटर नॉर्थवेस्ट में आया था और रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई थी। भारतीय समयानुसार पापुआ न्यू गिनी में यह भूकंप गुरुवार सुबह 9 बजकर 49 मिनट पर आया था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने भी पापुआ न्यू गिनी में भूकंप की पुष्टि की थी। पापुआ न्यू गिनी में भूकंप से नुकसान की कोई खबर नहीं थी। (एपी)

58 सीटों पर मतदान... खट्टर, महबूबा...

विशेष अपील की है। आयोग ने कहा कि वह कम मतदान से जुड़े अपने खराब रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए मतदाता घरों से बाहर निकलें। लोकतंत्र की सशक्त बनाने में अपना अहम योगदान दें। आयोग ने इससे पहले इन सभी शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं के बीच मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया है। वहीं मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए निजी क्षेत्रों से जुड़े लोग भी तरह से आफर दे रहे है। आयोग ने शहरी क्षेत्रों को लेकर यह अपील तब की है, जब सात चरणों में पांच चरणों के हो चुके चुनाव में एक चरण को छोड़ दे तो बाकी चार चरणों में 2019 के मुकाबले कम मतदान हुआ है। 184 पर्यवेक्षक उतारे गए हैं मैदान में- निर्वाचन आयोग ने आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर होने वाले इस चुनाव पर किसी भी तरह की गड़बड़ी पर नजर रखने के लिए 184 पर्यवेक्षकों की तैनाती दी है। इनमें 66 सामान्य पर्यवेक्षक,35 पुलिस पर्यवेक्षक व 83 खर्च पर नजर रखने के विशेष पर्यवेक्षकों की तैनाती दी है। यह सभी पर्यवेक्षक इन सीटों पर मतदान से जुड़ी पल-पल की रिपोर्ट आयोग को देंगे।

भूपेश सरकार के समय बने जाति ...

छानबीन समिति ने साल 2000 से लेकर 2020 तक फर्जी, गलत जाति प्रमाण पत्र के कुल 758 प्रकरणों की जांच की थी। इनमें 659 प्रकरणों का जांच के बाद निराकरण करके बाकी 267 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए थे। कोर्ट के स्टे की वजह से इनपर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई थी। यही वजह है कि साल 2023 में ही रायपुर में विधानसभा सत्र के दौरान दलित वर्ग के युवकों ने सड़कों पर नग्न प्रदर्शन किया था।

कोल घोटाले में ईओडब्ल्यू ने...

कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. कोर्ट ने दोनों को 4 दिनों

प्रथम पेज का शेष

की रिमांड पर ईओडब्ल्यू को सौंप दिया है. 27 मई तक अब ईओडब्ल्यू की टीम दोनों अधिकारियों से पूछताछ करेगी. ईओडब्ल्यू ने कोयला घोटाले मामले में 15 दिनों की रिमांड कोर्ट से मांगी थी.

शव को किया बोटी-बोटी...

बांग्लादेश गई है बंगाल सीआईडी की एक टीम- वहीं, बांग्लादेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए तीन आरोपितो तनवीर, शिमुल भुइंया व सेलिस्टी रहमान से पूछताछ करने के लिए बंगाल सीआईडी की एक टीम गुरुवार को बांग्लादेश गई है। इन आरोपितों को इस दिन बांग्लादेश की अदालत ने आठ दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

हनी ट्रैप करने के लिए महिला को लाया गया था- इस हत्या के मामले में गिरफ्तार सेलिस्टी रहमान सांसद के दोस्त अख्तरुज्जमां की करीबी है। सेलिस्टी को सांसद को हनी ट्रैप करने के लिए लाया गया था। सेलिस्टी ने सांसद के साथ दोस्ती की और उन्हें कोलकाता के न्यूटाउन स्थित उस फ्लैट में लेकर आई जहां उनका कत्ल किया गया। अख्तरुज्जमां ने हत्या के मकसद से इस फ्लैट को पहले से ही किराए पर ले रखा था। हत्या की घटना के दौरान सेलिस्टी भी वहां मौजूद थी। घटना के बाद वह बांग्लादेश चली गई थी जहां उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

अन्ना रेड्डी पैनल से आईपीएल संचालित...

पूरे लोगों की उपस्थिति होते ही फ्लैट में रेड कार्रवाई कर पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान फ्लैट में कुल पांच व्यक्ति उपस्थित थे, जो लैपटाप और मोबाइल फोन से सेटअप तैयार कर आनलाईन सट्टा संचालित कर रहे थे।

10 प्रकरण में 67 सटोरिए गिरफ्तार- वर्ष 2024 के आइपीएल क्रिकेट मैच के दौरान एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम द्वारा अब तक 10 प्रकरणों में कुल 67 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। सटोरियों से अब तक लगभग 110 करोड रुपये के लेन-देन की जानकारी प्राप्त हुई है। पुलिस उसकी विवेचना कर रही है।

21 मई को मिली प्रज्वल रेवन्ना ...

अपील पर सीबीआई ने इंटरपोल से प्रज्वल के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी कराया है। सीएम ने कुमारस्वामी पर लगाए आरोप- कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी डीके शिवकुमार के खिलाफ आरोप लगाकर प्रज्वल के केस को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

सीएम ने आरोप लगाया कि देवेगौड़ा परिवार ने ही प्रज्वल को देश से भागने में मदद की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रज्वल ने अपराध किया है लेकिन फिर भी कुमारस्वामी कहते हैं कि उनका भतीजा अपराधी नहीं बल्कि आरोपी है। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा की इस चेतावनी पर कि यदि उनका पोता प्रज्वल भारत नहीं लौटा तो उसे अलग-थलग कर दिया जाएगा, सिद्धारमैया ने जानना चाहा कि क्या वह अपने परिवार के सदस्यों की जानकारी के बिना देश छोड़ सकता है।

आज आ रहा है चक्रवाती तूफान रेमल

राजीवन ने कहा, 'अगर ऊर्ध्वाधर हवा का झोंका बहुत बड़ा है तो चक्रवात तेज नहीं होगा। यह कमजोर हो जाएगा।' यह मॉनसून परिसंचरण से अलग हो जाएगा और बहुत सारी नमी खींच लेगा, जिसके परिणामस्वरूप उस क्षेत्र में इसकी प्रगति में थोड़ी देरी हो सकती है।

18 जून से खुलेंगे स्कूल....

अगामी तीन महीने का अध्यापन के लिए रोडमैप तैयार करने का निर्देश जारी किया गया है। साथ ही डीईओ और बीईओ को शिक्षकों के लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के लिए जिला व विकासखंड स्तर पर शिविर लगाने के लिए कहा गया है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन, स्थानीय डच क्लब से हारी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मौजूदा यूरोप दौरे के तीसरे मैच में स्थानीय डच क्लब ब्रेडासे हॉकी वेरेनिजिंग पुश से 495 से हार गई। पहले मैच में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज करने के बाद भारत को बेल्जियम की जूनियर टीम ने पिछले मैच में 3-2 से हराया था। कप्तान रोहित (18वां मिनट), सौरभ आनंद कुशवाह (24वां मिनट), अंकित पाल (32वां मिनट) और अर्शदीप सिंह (58वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मेजबान क्लब ने हालांकि आक्रामक शुरुआत करके पहले ही मिनट में गोल दाग दिया और दूसरे मिनट में बढ़त दोगुनी कर ली।

भारत को दूसरे क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर रोहित ने गोल किया। भारत की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी क्योंकि डच क्लब ने फिर पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया। सौरभ ने पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल करके अंतर कम करने का प्रयास किया। ब्रेक के बाद दूसरे ही मिनट में अंकित ने गोल किया लेकिन डच टीम ने 42वें मिनट में गोल करके फिर बढ़त बना ली। अर्शदीप ने 58वें मिनट में गोल करके स्कोर 4-4 कर दिया। डच टीम ने आखिरी मिनट में गोल करके जीत दर्ज की। भारतीय टीम अब 28 मई को मोंशेंग्लाबाख में जर्मनी से खेलेगी। भारतीय महिला टीम प्रो लीग में दूसरा मैच हारी

भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में लगातार दूसरी पराजय झेलनी पड़ी और इस बार उसे बेल्जियम ने 2-0 से हराया। नए कोच हरेंद्र सिंह और कप्तान सलीमा टेटे के साथ भारतीय महिला टीम को बुधवार को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 5-0 से हराया था। बेल्जियम के लिए दोनों गोल मैदानी थे जो 34वें मिनट में अलेक्सिया टी सरस्टेवेंस और दो मिनट बाद डेवाएट लुईस ने किए। भारत को अब शनिवार को बेल्जियम से खेलना है।

देवशयनी एकादशी की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और शुभ संयोग

हिंदू धर्म में वैसे तो हर एकादशी का खास महत्व होता है, लेकिन देवशयनी एकादशी बहुत खास मानी जाती है. इस बार ये कब मनाई जाएगी, इसका शुभ मुहूर्त और पूजा विधि क्या है आइए हम आपको बताते हैं.

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है. ये एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित होती है. इसके बाद ही भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में शयन के लिए चले जाते हैं. उसके बाद कोई भी शुभ कार्य नहीं होता है और देवठठनी ग्यारस के बाद शुभ कार्य और विवाह संपन्न होते हैं. ऐसे में इस साल देवशयनी एकादशी कब मनाई जाएगी, इसकी शुभ तिथि क्या है, इसका महत्व और पूजा विधि क्या होती है, आइए हम आपको बताते हैं.

हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि इस साल 16 जुलाई को शाम 8.33 से शुरू होगी और 17 जुलाई को शाम 9.02 तक रहेगी, ऐसे में उदया तिथि के अनुसार 17 जुलाई को ही देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी. आप 17 जुलाई को ही एकादशी का व्रत करें और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करने के साथ ही 18 जुलाई को सुबह 5.35 से लेकर 8.20 के बीच व्रत का पारण कर सकते हैं.

देवशयनी एकादशी पर बन रहे शुभ योग

इस साल की देवशयनी एकादशी अपने साथ कई शुभ संयोग भी लेकर आ रही है. सबसे पहले सुबह 7.05 पर शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है जिसका समापन 18 जुलाई को सुबह 6.23 पर होगा. वहीं, देवशयनी एकादशी पर सर्वार्थ सिद्ध योग और अमृत सिद्धि योग भी बन रहा है, इन दोनों योग का निर्माण सुबह 5.34 से 18 जुलाई को सुबह 3.13 तक रहेगा, इस दौरान आप कोई भी शुभ काम कर सकते हैं.

देवशयनी एकादशी पूजा विधि

अब बात आती है कि देवशयनी एकादशी पर आपको पूजा कैसे करनी चाहिए, तो सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर आप स्नान करें. इसके बाद श्री विष्णु के साथ ही महालक्ष्मी का अभिषेक करें, इसके लिए शंख में दूध और थोड़ा सा केसर डालकर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का अभिषेक करें. विष्णु भगवान को पीले वस्त्र, पीले फूल, पीला चंदन, अक्षत, पान का पत्ता, सुपारी आदि अर्पित करें और प्रसाद में तुलसी का पत्ता जरूर डालें. धूप दीप जलाकर ओम भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करें, व्रत करें और एकादशी पर जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, छाता और जूते का दान भी करना चाहिए.

आंखों की बीमारी व होने वाले इंफेक्शन से करें बचाव

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप की वजह से शरीर में कई तरह की दिक्कतें शुरू हो जाती है. शरीर के साथ आंखों पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. आइए जानें बचने का तरीका.

गर्मी और धूप के कारण बढ़ रही है आंखों की बीमारी, होने वाले इंफेक्शन से ऐसे करें बचाव

गर्मी में आंखों का कैसे करें बचाव

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप की वजह से शरीर में कई तरह की दिक्कतें शुरू हो जाती है. कभी शरीर में पानी कमी तो वहीं आंखों में कई तरह के इंफेक्शन भी हो जाते हैं. आइए आज विस्तार से बात करेंगे कि हीट वेव के कारण **आंखों पर क्या असर पड़ता है ?**

गर्मी में ऐसे रखें अपने आंखों का ख्याल

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-नोएगा में गर्मी से लोगों का हाल बेहाल है. पारा 45 के पार पहुंच चुका है. ऐसे में हीट वेव की चपेट में शरीर का जो अंग आ रहा है उसे काफी दिक्कते हो रही है. चिलचिलाती धूप के सीधा संपर्क में आने से आंखों का भी बुरा हाल हो गया है. लोग अपने शरीर पर सनस्क्रीन तो मास्क लगा लेते हैं लेकिन आंखों का केयर करना भूल जाते हैं.

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनवायरमेंटल हेल्थ एंड पब्लिक हेल्थ ने क्या कहा ?

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनवायरमेंटल हेल्थ एंड पब्लिक हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा गर्मी से आंखों में इंफेक्शन का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है. यही कारण है कि गर्मियों में आंखों का खास ख्याल रखने की जरूरत है. अब सवाल यह उठता है कि गर्मी में ऐसा क्या करें कि हीट स्ट्रोक और आंखों में होने वाले इंफेक्शन से बचा जा सके.

हीट वेव के कारण आंखों पर दिखते हैं ये खतरनाक **लक्षण**

आंखों का ड्राय होना

अगर आपकी आंखों में जलन हो रही है तो यह भी इंफेक्शन के लक्षण हो सकते हैं. दरअसल, गर्मी के कारण अक्सर अक्सर आंखों में जलन होने लगती है. गर्म हवा के कारण आंखों की नमी चली जाती है. जिसके कारण आंखें ड्राय होने का रिस्क बढ़ जाता है.

आंख में एलर्जी

अगर आपके आंखों से लगातार पानी गिर रहा है. या आपको धुंधला दिखाई दे रहा है तो यह आंखों में एलर्जी का कारण हो सकता है.

आंखों में सूजन

तेज गर्मी और धूप के कारण अक्सर आंखों में जलन और खुजली होने लगती है. जिसके कारण आंखों में सूजन आ जाती है. लगातार आंखों से पानी बहन भी इंफेक्शन के गंभीर लक्षण हो सकते हैं. गर्मी के मौसम में आंख से जुड़ी हो सकती है ये बीमारियां जैसे- वायरल कंजंक्टिवाइटिस एक बैक्टीरियल इंफेक्शन होती है. यह इंफेक्शन अगर एक बार किसी को हो जाए है उसकी आंखें सूजने लगती है. जिसके कारण लोगों को ब्लर दिखाई देने लगता है. इसके संपर्क में आने से कोई भी संक्रमित हो सकता है.

टेरिजियम

टेरिजियम एक ऐसी हेल्थ कंडीशन होती है जिसमें आंखों के अंदर के सेल्स में काफी ज्यादा ग्रोथ होने लगती है. जिसके कारण लोगों का विजन कम होने लगता है. आंखें अल्ट्रावॉयलेट किरणों के सीधा संपर्क में आती है. इसके कारण टेरिजियम का खतरा बढ़ता है.

क्या होता है ला नीना, अगर इस बार बना तो जून में ऐसा रहेगा मौसम?

भारत में इस बार मानसून को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि इस बार काफी ज्यादा बारिश होगी, जिसके चलते कई इलाकों में बाढ़ के भी आसार हैं. इसके अलावा इस बार ठंड भी तेज पड़ने के आसार हैं. इन सभी का जिम्मेदार ला नीना को बताया गया है. अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन के जलवायु पूर्वानुमान केंद्र ने ये अनुमान लगाया है कि मौसम में ये परिवर्तन ला नीना की वजह से देखने को मिलेगा.

अब आपके मन में सवाल ये उठ रहा होगा कि आखिर ये ला नीना है क्या जिसकी वजह से बारिश और ठंड इस कदर बढ़ सकती है. तो चलिए आज जान लेते हैं. क्या होता है ला नीना ? सबसे पहले तो समझते हैं, ला नीना का मतलब क्या है. दरअसल ये स्पैनिश भाषा एक शब्द है, जिसका मतलब छोटी बच्ची है. पूर्वी प्रशांत महासागर क्षेत्र के सतह पर निम्न हवा का दबाव होने पर जो स्थिति बनती है, उसे ही ला नीना कहा जाता है. इससे समुद्री सतह का तापमान काफी कम हो जाता है. इसका सीधा असर दुनियाभर के तापमान पर पड़ता है.

भारत में अल नीना की बात करें तो ये बहुत ज्यादा गर्मी और कमजोर मॉनसून की वजह बनता है. वहीं ला नीना की बात करें तो इसमें औसत से ज्यादा बारिश और ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना बनी रहती है. भारत में भी मौसम विभाग द्वारा ला नीना के विकसित होने की पूरी संभावना जताई गई है. कितने समय तक रह सकता है ला नीना ? ला नाना नौ महीने से लेकर सालभर की अवधि तक रह सकता है. इस दौरान नॉर्थवेस्ट हिस्से में सर्दियों में तापमान पहले से कम तो वहीं साउथईस्ट में सर्दी के दौरान भी तापमान ज्यादा रहता है. ला नीनो बनने के अलग-अलग कारण बताए जाते हैं, लेकिन सबसे प्रचलित वजह ये

रात को दलिया खाने के फायदे ज्यादा हैं?

वजन घटाने के लिए बहुत से लोग दलिया और ओट्स खाते हैं। लेकिन, अगर हम इसकी परफेक्ट टाइमिंग को जान लें तो ये काम आसान हो सकता है। साथ ही जानते हैं वेट लॉस के लिए कौन सा दलिया खाएं। वजन घटाने के लिए अगर आप दलिया खा रहे हैं तो जानें इसे खाने का सही तरीका और समय। दलिया खाना सेहत के लिए कारगर तरीके से काम करता है। पर सबसे ज्यादा वेट लॉस करने वाले लोग इसे खाते हैं। दरअसल, दलिया में फाइबर की मात्रा इतनी ज्यादा होती है कि ये फैट मेटाबोलिज्म को तेज करता है और फिर पाचन क्रिया में तेजी लाता है। इसके अलावा वेट लॉस के लिए जब आप इसे खाते हैं तो ये आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और फिर बेकार की भूख से बचाता है। इससे आपको क्रेविंग नहीं होती है और कम कैलोरी के साथ आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है। तो, आइए जानते हैं वेट लॉस के लिए कब और कौन सा दलिया खाएं। पर उससे पहले जानते हैं क्या रात को दलिया खाने के फायदे ज्यादा हैं रात को दलिया खाने के फायदे ज्यादा हैं- रात को दलिया खाना, नाश्ते की तुलना में ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। ऐसा इसलिए कि ये मेटाबोलिक रेट बढ़ाने और बॉवेल मूवमेंट को तेज करने में मदद कर सकता है। इससे पेट साफ हो जाता है और शरीर से गंदगी डिटॉक्स हो जाती है। इसके अलावा ये ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में भी मददगार है। बस आपको करना ये है कि आपको रात में गेहूं का दलिया नहीं खाना है बल्कि, इसकी जगह आपको इस दलिया का सेवन करना है। मेथी दाना का सेवन अगर 14 दिनों तक किया जाए तो बॉडी पर कैसा दिखता है असर, एक्सपर्ट से जानिए बॉडी में होने वाले बदलाव वेट लॉस के लिए कब और कौन सा दलिया खाएं- वेट लॉस के लिए आपको बाजरे का दलिया खाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि बाजरे में रफेज और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जो कि आपकी आंतों के काम काज को तेज करता है। इसके अलावा ये वेट लॉस के प्रोसेस को तेज करता है और फैट पचाने की गति में तेजी लाता है। इस प्रकार से ये दलिया वजन घटाने में व्यापक तरीके से काम करता है। तो वेट लॉस के लिए बाजरे का दलिया रात के खाने में बनाकर खाएं।

हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचना है तो शामिल कर लें ये चीजें

गर्मी के इस दौर में सेहत को दुरुस्त रखने के लिए जरूरी है कि डाइट में ऐसी चीजों को शामिल किया जाए जिनसे आपके शरीर में पान कमी ना हो और आपकी बॉडी हीट स्ट्रोक से बची रह सके. चलिए आज ऐसी ही कुछ ठंडक देने वाली चीजों की बात करते हैं जिनको खाकर आप गर्मी का शिकार बनने से बच सकेंगे.

गर्मियों में आने वाले फल जैसे,आम, संतरा, खरबूजा, मौसमी और अनार भी आपके शरीर को ठंडक देंगे और शरीर में पानी के साथ साथ पोषक तत्वों की भी कमी दूर करेंगे. इन फलों में पाया जाने वाला विटामिन सी आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखेगा और आपके शरीर को ठंडक मिलती रहेगी.

खीरा तो आप सलाद के रूप में शौक से खाते होंगे. खीरा पानी से भरपूर सब्जी है जिसे गर्मियों में आप आराम से खा सकते हैं. इसके अंदर पाए जाने वाले न्यूट्रिएंट्स आपके शरीर में ठंडक भी रखेंगे और पानी की कमी भी नहीं होगी. इसके साथ साथ सन टैन से अगर आपकी स्किन झुलस गई है तो भी खीरा खाना आपके लिए फायदेमंद होगा क्योंकि ये आपकी स्किन को भी हेल्दी और चमकदार बनाने में मदद करेगा.

नारियल पानी ढेर सारे पोषक तत्वों से लैस है. खासतौर पर गर्मियों में यह आपके शरीर में पानी की कमी दूर करेगा और आपको लू से भी बचा लेगा. इसलिए गर्मी के मौसम में नारियल पानी का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है. नारियल पानी ढेर सारे पोषक तत्वों से लैस है. खासतौर पर गर्मियों में यह आपके शरीर में पानी की कमी दूर करेगा और आपको लू से भी बचा लेगा. इसलिए गर्मी के मौसम में नारियल पानी का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है. आपको पता ही होगा कि गर्मी में जब शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है तो शरीर में पानी की कमी हो जाती है और शरीर डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाता है. इसके अलावा गर्मी जब आप लू में बाहर निकलते हैं तो आप हीट स्ट्रोक का शिकार हो सकते हैं. ऐसे में शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने लिए आपको तरबूज का सेवन करना चाहिए. तरबूज पानी से भरपूर फल है और इसके अंदर विटामिन सी के साथ साथ पोटेशियम भी होता है. इसके सेवन से आपके शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और शरीर में ठंडक बनी रहेगी.

पीएससी घोटाले की सीबीआई ने शुरू इन्वेस्टीगेशन, फॉरेंसिक लैब में होगी दस्तावेजों की जांच

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोक सेवा आयोग के द्वारा आयोजित पीएससी परीक्षा घोटाले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है। सीबीआई ने इस छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा घोटाले की जांच शुरू भी कर दी है। सीबीआई इस पीएससी घोटाला मामले में कई दस्तावेजों की जांच भी करेगी। इस दौरान कई कागजातों की फॉरेंसिक जांच भी कराई जाएगी। इस जांच में कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान मौजूदा कांग्रेस सरकार पर पीएससी में नेताओं और मंत्रियों के रिश्तेदारों को भर्ती करने और नियुक्ति देने का आरोप लगा था। उस समय के विपक्ष बीजेपी ने मौजूदा कांग्रेस की भूपेश सरकार को जमकर घेरा था। साथ ही छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद इस घोटाले की जांच करने का वादा भी बीजेपी ने किया था। इसी के तहत बीजेपी की विष्णुदेव साय सरकार ने इस पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई ने जांच भी शुरू कर दी है।

2020-21 भर्ती परीक्षा घोटाला की जांच

बता दें कि बीजेपी ने 2023 विधानसभा चुनाव में 2020-21 पीएससी भर्ती परीक्षा में अनियमितता का आरोप लगाया था। इसके साथ ही कांग्रेस के नेताओं और मंत्रियों को इसमें नियुक्ति देने का भी गंभीर आरोप लगाया था। इस भर्ती परीक्षा मामले की जांच पहले एसीबी-ईओडब्ल्यू कर रही थी। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने इस मामले में एफआईआर भी दर्ज की थी।

आंसरशीट की फॉरेंसिक जांच कराएगी सीबीआई

ईओडब्ल्यू ने सीबीआई को सौंपा केस

छत्तीसगढ़ पीएससी 2020-21 भर्ती परीक्षा घोटाले की जांच पहले एसीबी-ईओडब्ल्यू के द्वारा की जा रही थी। सरकार के निर्देश पर अब इस केस की जांच सीबीआई कर रही है। इस पर ईओडब्ल्यू ने इस केस को सीबीआई को हैंडओवर किया है।

फॉरेंसिक लैब में होगी जांच

ईओडब्ल्यू ने सीबीआई को सीजी पीएससी घोटाला केस की डायरी सौंप दी है। अब सीबीआई अपने स्तर से जांच करेगी। सीबीआई इस केस की तह तक पहुंचने के लिए कई दस्तावेजों की भी जांच करेगी। इसके अलावा कई संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ करेगी।

वहीं जानकारी मिली है कि सीबीआई अब पीएससी भर्ती परीक्षा 2020-21 की प्री और मेंस परीक्षा की आंसर शीट की भी जांच करेगी। इनकी जांच फॉरेंसिक लैब में कराई जाएगी। इसको लेकर सीबीआई फॉरेंसिक लैब में प्री और मेंस की आंसरशीट भेजेगी। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि आंसरशीट में रोल नंबर और प्रश्नों के जवाब कहीं अलग-अलग समय में तो नहीं लिखे गए हैं।

ये आरोप लगाए गए थे

पीएससी भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया होने के बाद भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार पर कई आरोप लगाए गए थे। इसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ कैंडिडेट्स का चयन नियम के विरुद्ध किया गया है। इन कैंडिडेट्स ने परीक्षा के दौरान अपनी आंसरशीट खाली छोड़ दी थी। जिनकी आंसरशीट दूसरे लोगों के द्वारा भरी गई थी। फॉरेंसिक जांच में इन सब आरोपों का सच सामने आ सकेगा, इसके बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

चयनित कैंडिडेट्स से भी होगी पूछताछ

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने 2020-21 परीक्षा में उम्मीदवारों का चयन भी कर लिया है। इन उम्मीदवारों से सीबीआई पूछताछ करेगी। इस परीक्षा में 18 उम्मीदवारों से पूछताछ की जाएगी। इसके साथ ही इनकी हैंडराइटिंग की भी जांच विशेषज्ञों से कराई जाएगी।

किस बोर्ड में हुआ कैंडिडेट का इंटरव्यू

सीबीआई इस केस में इंटरव्यू की भी जांच करेगी। इसमें यह देखेगी कि साक्षात्कार लेने के लिए बनाए गए तीन पैनलों में कौन-कौन लोग थे। इन तीन बोर्ड का रिकॉर्ड भी खंगाला जाएगा। बता दें कि एक बोर्ड में तो तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी भी थे। सीबीआई यह भी जांच करेगी कि किस बोर्ड के साक्षात्कार में सबसे अधिक लोगों का चयन हुआ है। बोर्ड के सदस्यों का चयनित कैंडिडेट्स या उनके रिश्तेदारों से क्या संबंध है, या फिर नहीं है। इसके साथ ही इंटरव्यू बोर्ड के सदस्यों का पांच साल का रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। इसमें कॉल डिटेल, गूगल लोकेशन से लेकर वाट्सऐप चैट की भी जांच की जाएगी। वहीं चयनित कैंडिडेट्स के फोन की भी तकनीकी जांच होगी।

एम्स के द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी

रायपुर। राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। एम्स के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल और उषा जिंदल ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया। इस बार दीक्षांत समारोह में 509 चिकित्सा छात्रों को डिग्री प्रदान की जाएंगी।

एम्स प्रबंधन का कहना है कि दीक्षांत समारोह की तिथि तय नहीं हुई है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में उम्मीद है। लेफ्टिनेंट जनरल जिंदल ने बताया कि एम्स के लिए यह गौरव का क्षण है कि समारोह के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया गया है।

सम्पूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गिनती और मतदान केन्द्रों के मतदान का परिणाम समेकित करने की कार्रवाई राजनांदगांव में

विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए स्थान निर्धारित

मतगणना 4 जून 2024 को सुबह 8 बजे से

राजनांदगांव (दावा)। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत मतगणना 4 जून 2024 को सुबह 8 बजे से की जाएगी। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना के लिए स्थान निर्धारित किया गया है। जिसके अनुसार कबीरधाम जिला अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 71-पण्डरिया एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 72-कवर्धा की मतगणना आदर्श कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर रोड कवर्धा में किया जाएगा। खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिला अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 73-खैरागढ़ की मतगणना छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाऊस पिपरिया खैरागढ़ में किया जाएगा। राजनांदगांव जिला अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74-डोंगरगढ़, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 75-राजनांदगांव, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी की मतगणना छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन बसंतपुर कैम्पस राजनांदगांव में किया जाएगा। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 78-मोहला-मानपुर की मतगणना शासकीय लाल श्याम शाह महाविद्यालय मोहला में किया जाएगा। सम्पूर्ण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 6-राजनांदगांव क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गिनती और समस्त मतदान केन्द्रों के मतदान का परिणाम समेकित करने की कार्रवाई छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन बसंतपुर कैम्पस राजनांदगांव में की जाएगी।

कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर संजय अग्रवाल ने निर्वाचन लड़ने वाले सभी अभ्यर्थियों को मतगणना स्थल पर प्रत्येक विधानसभा हेतु गणना अभिकर्ता नियुक्त करने कहा हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 71-पण्डरिया एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 72-कवर्धा के मतों की गणना के लिए प्रत्येक विधानसभा में 21 टेबल लगाये जाएगें। जिसके लिए 21+2 गणन अभिकर्ता एवं शेष विधानसभा के मतों की गणना के लिए 14+2 गणन अभिकर्ता नियुक्त कर सकते है। गणन अभिकर्ता की नियुक्ति आवेदन प्रारूप-18 में प्रस्तावित गणन अभिकर्ता का 2 पासपोर्ट फोटो सहित 31 मई 2024 तक संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा करने कहा है। मतगणना हाल में मोबाईल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन मीडियाकर्मी मीडिया सेंटर तक मोबाईल ले जा सकते हैं।

रामदरबार सर्विस रोड पर खड़े 20 ट्रकों पर पुलिस ने की चालानी कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। राम दरबार चौक समीप के सर्विस रोड में प्रायः खड़े रहने वाले ट्रकों पर पुलिस ने चालानी कार्रवाई की है।

गाड़ियों खड़ी रहने से लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी

बता दें कि यहां पर एफसीआई गोदाम होने के कारण यहां गाड़ियों की कतार लगी रहती है। एफसीआई गोदाम से लेकर रामदरबार चौक व इसके आगे व पीछे सर्विस रोड में कतार से गाडियां खड़ी रहने से लोगों का आवा जाही दूभर हो जाता है। वहीं एक्सीडेंट का भी खतरा बना रहता है।

कभी कभी तो गाड़ियों की कतारें जलाराम रेस्टोरेंट व अग्रवाल पेट्रोल पंप तक लगी रहती है इससे लोगों का व्यापार व्यवसाय प्रभावित होता है। वही सर्विस रोड में गाड़ियां खड़ी रहने से नेहरू नगर से निकलने वाले रहवासियों को खासी परेशानी उठानी पड़ती है। यहां पर कई दुर्घटनाएं भी हुई है। इसे देखते हुए 24 मई शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय खेस, सउनि कमल किशोर श्रीवास्तव द्वारा सड़क दुर्घटना नियंत्रण हेतु रामदरबार सर्विस रोड पर अव्यवस्थित खड़े 20 ट्रकों पर चालानी कार्यवाही किया गया। वहीं एफसीआई के अधिकारियों से यातायात व्यवस्था बनाये रखने एवं रामदरबार सर्विस रोड़ में वाहन खड़ी नही करने के संबंध में मीटिंग लिया गया। सभी ट्रक चालकों को सर्विस रोड में वाहन नही खड़ी करने हिदायत दिया गया, साथ ही कहा गया कि भविष्य में भी रामदरबार सर्विस रोड़ में वाहन खड़ी करने पर लगातार चालानी कार्यवाही किया जायेगा। यातायात पुलिस द्वारा सभी वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों पालन करें। सुरक्षित वाहन चलायें एवं दुर्घटना से बचे।

आईबी ग्रुप एशिया की टॉप 5 पोल्ट्री कंपनी में शामिल

राजनांदगांव (दावा)। एविएजन ब्रीड कंपनी (अमेरिका की) जो जेनेटिक ब्रीडिंग का काम करती है (जैसे पोल्ट्री, फीश, श्रीम्प, डेयरी एवं अन्य एनिमल ब्रीडिंग) यह विश्व की नंबर-1 कंपनी है, जिसका विश्व मार्केट में लगभग 72 प्रतिशत शेयर है। वर्ष 2014 में आई.बी. ग्रुप, एविएजन ब्रीड कंपनी के साथ मिलकर भारत में 10000 पोल्ट्री जी.पी. लेकर पोल्ट्री व्यवसाय चालू किया था। एविएजन कंपनी के एम.डी. डिर्क वेसजोहन, सी.ई.ओ. जेन हेनरिक्सन के सहयोग से एवं उनके मार्गदर्शन में आई. बी. ग्रुप रणनीति के तहत कार्य करते हुये कार्य कर रहा है, जिसके कारण आई.बी. ग्रुप का नाम आज एशिया के टॉप-5 कंपनी में शामिल हो गया है। इसके लिये उनके सी.ई.ओ. एवं एम.डी. ने अपने प्रतिनिधि पीटर फ़िशर को भेजकर, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया है। साथ ही उन्होंने आगे भविष्य में कार्य करने की और सहयोग देने का आश्वासन दिया है। आई. बी. ग्रुप एविएजन के इस सहयोग के कारण अगले 5 (पांच) वर्षों में 25 प्रतिशत प्रतिवर्ष ग्रोथ काआश्वासन एविएजन को दिया है।

इस स्मृति चिन्ह से सम्मानित होकर आई.बी. ग्रुप के एम.डी. बहादुर अली, डायरेक्टर श्रीमती जोया आफरीन आलम और प्रेसिडेन्ट डॉ. आर. के. जायसवाल ने धन्यवाद दिया हैं।

इस उपलब्धि से न केवल आई. बी. ग्रुप सम्मानित हुआ है बल्कि आने वाले समय में गाँव-गाँव के छोटे किसानों के पोल्ट्री फार्मों को फायदा पहुंचेगा, जो देश के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में देश की बहुत मदद करेगा। आज भारत जो प्रोटिन डेफिसीट के नाम से जाना जाता है। आने वाले कुछ समय में गाँव गाँव के हर व्यक्ति के घर तक चिकन प्रोटिन पहुंचाने का लक्ष्य आई.बी. ग्रुप ने रखा है।

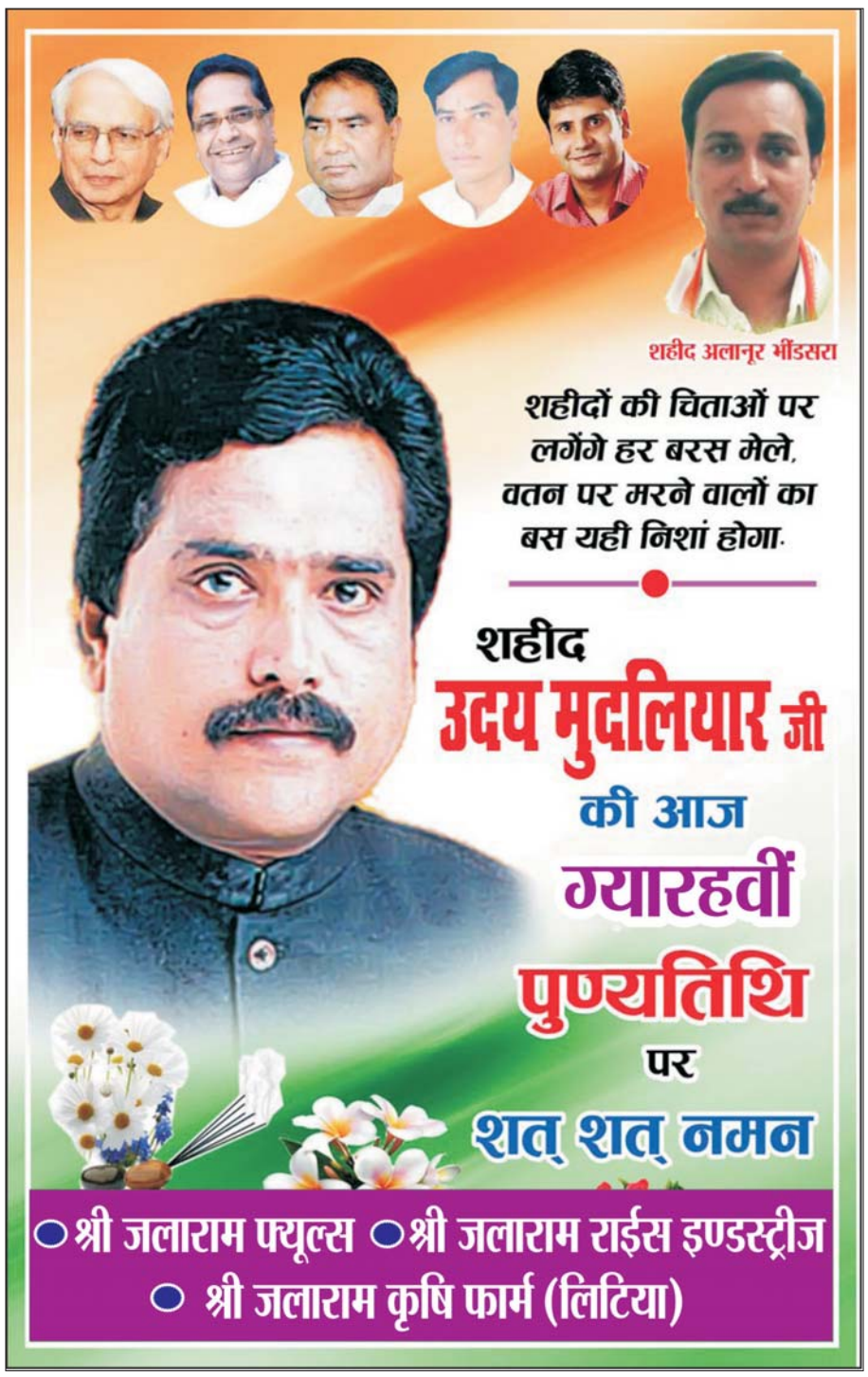

एबीस में कार्यरत युवा मजदूर की मौत मजदूरों ने किया काम बंद प्रदर्शन

त्वरित मुआवजा देने के बाद मामला हुआ शांत

डोंगरगांव (दावा)। एबीस कंपनी के गोडरी (दीवानझिटिया) स्थित पोल्ट्री फार्म में एक युवा मजदूर की मौत हो गई है. गुरूवार शाम की घटना के बाद शुक्रवार को यहाँ कार्यरत समस्त सैकड़ों मजदूरों ने कंपनी के विरुद्ध में मोर्चा खोल दिया है और परिवार वालों के साथ मजदूरों ने पालन पोषण की जिम्मेदारी तथा मुआवजा की मांग की है. इस मामले के तहत सभी मजदूर कंपनी के विरोध में आ गए हैं और पोल्ट्री फार्म प्रबंधन पर पर जमकर लापरवाही बरतने का आरोप लगा रहे हैं. मजदूरों का कहना है कि मौत करंट लगने से हुई है जबकि दूसरी ओर प्रबंधन मौत के कारण के संबंध में जांच की बात कह रही है.

मौके से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन एबीस कंपनी के गोडरी स्थित पोल्ट्री फार्म में काम कर रहे रुपेश साहू पिता स्व0संतुराम साहू निवासी ग्राम पेंडरवानी की मौत हो गई है. घटना उस वक्त की है, जब युवक मुर्गियों को दाना देने वाली मशीन में काम कर रहा था. मौके में उपस्थित मजदूरों और सहयोगियों ने बताया कि रूपेश साहू विगत कई वर्षों से एबीस कंपनी में ऑपरेटर का काम कर रहा था, जिसमें मुर्गियों को दाना देने का कार्य किया जाता है. दाना मशीन का तार छिला हुआ था, जिसके चलते यह घटना घटित हुई. जानकारी के अनुसार मृतक युवक रूपेश जिसका एक माह पूर्व ही विवाह हुआ था, पिता के नहीं होने से घर में पत्नी, माँ, बुजुर्ग दादा सहित परिवार की पूरी जिम्मेदारी रूपेश के कंधों पर थी.

इधर गुरूवार शाम की घटना के बाद को युवक के कंपनी के कर्मचारियों व्दारा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया. घटना की जानकारी लगते ही सभी मजदूरों ने शुक्रवार को सुबह से ही पोल्ट्री फार्म के सामने इकट्ठा होने लगे और उचित मुआवजे की मांग को लेकर काम पर जाने से इंकार कर दिया. घटना की जानकारी लगते ही तहसीलदार पी.एल.नाग, टीआई उपेंद्र शाह मौके पर पहुंचकर संपूर्ण स्थिति का जायजा लिया. युवक रूपेश साहू के मौत के बाद एबीस फार्म गोडरी के समस्त मजदूर क्षेत्र के जनपद सदस्य मनीष साहू एवं जागेश्वर यादव के साथ परिजन के लिए उचित मुआवजे की मांग करने में लगे रहे जो कि दिनभर चलते रहा. इधर पोष्टमार्टम पश्चात युवक के शव को पोल्ट्री फार्म के सामने लाने से मामला और गरमा गया था, मजदूरों और परिजनों के जिद के सामने प्रबंधन को आखिर झुकना पड़ा और अंतिम क्रियाकर्म और परिजनों को 5 लाख रूपये नगद दिये जाने की जानकारी मिली है. इसके साथ ही गारंटी के तौर पर 15 लाख रूपये का चेक और दिया गया है. हॉलाकि इस मामले में एबीस कंपनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बताया कि मुर्गियों को खिलाने दाना मशीन में काम करने वाले मजदूर का काम रस्सी के माध्यम से ज्यादा दाना गिरने पर उसे रोकने का काम था, ऐसे में करंट का कोई विषय नहीं है. युवक की मृत्यु कैसे हुई है, यह जांच का विषय है. प्रबंधन द्वारा मृतक के परिजनों को त्वरित मुआवजा देने के बाद मामला शांत हो गया है लेकिन दिन भर चले इस मामले में अनेक अबूझ सवाल हैं, जो कि पोष्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद ही पता चल पायेगा.

एबीस ने श्रमिक की मृत्यु पर व्यक्त की संवेदना

अंजुम अल्वी ने कहा कि मृतक परिवार के प्रति आई.बी. ग्रुप पूरी सहानुभूति रखते हुये गहरा दुख प्रकट करता है, कंपनी द्वारा मृतक परिवार को तत्काल नियमानुसार उचित मुआवजा दे दिया गया है। डोंगरगांव थाना एवं सभी प्रशासनिक उच्च अधिकारियों को जानकारी भी दे दी गई है, भविष्य में भी कंपनी द्वारा नियमानुसार पूर्णतः सहयोग किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com